भारत की टैरिफ कूटनीति के लाभ 4

अनुभव सिन्हा की फिल्म में फिर काम करेंगी तापसी पन्नू 7

बाबा साहब के संविधान से चलेगा देश, शरीयत से नहीं 8

तिथि-वैशाख, कृष्ण, तृतीया

सोना - 96,975

शेयर मार्केट- 76,734

चांदी- 99,800

निफ्टी- 22,328

अधिकतम -36 ºc
न्यूनतम -26 ºc

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com वर्ष - 21 अंक-142 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 लखनऊ, बुधवार 16 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 मूल्य : दो रुपये

मोदी ने डेनमार्क की प्रधानमन्त्री से की बात

फाइल फोटो

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन से मंगलवार को टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने 2020 में ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के शुभारंभ के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की समीक्षा हुई। वर्ष 2020 में ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की शुरुआत के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान को याद करते हुए दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के विस्तार का उल्लेख किया। जिसने भारत में डेनमार्क के निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाई हैं ताकि ग्रीन ट्रांज़िशन में योगदान दिया जा सके। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फेडरिक्सन से बात करके खुशी हुई। दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए भारत-डेनमार्क हरित रणनीतिक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों के लिए हमारे मजबूत समर्थन की पुष्टि की। हमने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।

दशकों पुराने हैं दोनों देशों के सम्बन्ध : भारत और डेनमार्क के बीच दशकों पुराने मैत्रीपूर्ण और सहयोग भरे संबंध रहे हैं। दोनों देश 1949 से राजनयिक संबंध साझा करते हैं। भारत-डेनमार्क को एक विश्वसनीय भागीदार मानता है। दोनों देशों के बीच हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास जैसे क्षेत्रों में विशेष भागीदारी है। 28 सितंबर 2020 को आयोजित वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने जैसी महत्वपूर्ण साझेदारी की है। डेनमार्क में (शेष पृष्ठ 7 पर)

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी व दिल्ली सरकार के रवैये पर जताया असंतोष

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीतीश कटारा हत्याकांड में 25 साल की सजा काट रहे विकास यादव की मां के इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड के गठन में देरी करने पर उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने पिछली सुनवाई में मेडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट अब 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई करेगा। विकास यादव ने अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकार को मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया था ताकि जमानत की अनिवार्यता का पता लगाया जा सके।

दोनों राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों पर असंतोष जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब एम्स, दिल्ली को एक मेडिकल बोर्ड गठित करने और 21 अप्रैल को रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें पता चला कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकार ने भी एक मेडिकल बोर्ड गठित किया था। मेडिकल बोर्ड गठित करने में क्रमशः सात और 10 दिन का समय लिया। जब तक मेडिकल बोर्ड विकास यादव की मां से मिलने अस्पताल गया, तब तक उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। हालांकि, कोर्ट को सूचित किया गया कि उन्हें अगले दिन फिर से भर्ती कराया गया है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

वक्फ की जमीनों पर बनवाएंगे मकान

हरदोई पहुंचे योगी, बोले-लातों के भूत बातों से नहीं मानते

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

हरदोई। मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा वक्फकी जमीनें वापस ली जाएंगी। इन पर अस्पताल, गरीबों के लिए मकान, स्कूल, विश्वविद्यालय बनेंगे। निवेश के लिए लैंड बैंक तैयार होगा। वक्फ कानून के विरोध में बंगाल में हो रही हिंसा पर सीएम ने हरदोई में कहा- लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं। दंगाई डंडे से ही मानेंगे। जिसे बांग्लादेश पसंद है, वह बांग्लादेश चला जाए।

उन्होंने कहा बंगाल जल रहा है, लेकिन वहां की मुख्यमंत्री के साथ सपा और कांग्रेस भी चुप हैं। ममता बनर्जी दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं और सेक्युलरिज्म के नाम पर उन्हें खुली छूट दे दी है। इस तरह की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। वहां की कोर्ट को धन्यवाद दूंगा, जिसने वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है।

योगी मंगलवार को माधोगंज स्थित रुइया गढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा नरपत सिंह के विजय दिवस समारोह में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 650 करोड़ रुपए की 729 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। वक्फकी जमीनें वापस ली जाएंगी। इन पर अस्पताल बनेंगे, गरीबों के लिए मकान बनेंगे, ऊंची इमारतें बनेंगी। यहां

- दंगाइयों का केवल एक ही इलाज है डंडा, मुर्शिदाबाद दंगों पर चुप हैं टीएमसी,सपा और कांग्रेस : योगी

स्कूल, विश्वविद्यालय बनेंगे और निवेश के लिए लैंड बैंक तैयार होगा, लेकिन किसी को जमीन पर कब्जा कर गुंडागर्दी करने की छूट नहीं मिलेगी। लोग इसी वजह से परेशान हैं, क्योंकि जमीन के नाम पर जो लूट मची थी, अब वह रुकने वाली है। इन लोगों को इसलिए परेशानी हो रही है, क्योंकि अब उनके गुर्गों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वो गुर्गे जो पहले जनता को लूटते थे। जो भस्मासुर पाल रखे थे, अब उन्हें डर है कि कहीं वही इन्हें न डसने लगें। जो अकूत संपत्ति इकट्ठा की गई थी, उस पर डकैती न पड़ जाए। इसलिए ये वक्फके नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं, आंखों में धूल झोंक रहे हैं, लेकिन गुमराह होने की जरूरत नहीं है। हमें संविधान और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर विश्वास रखना है और विकास की प्रक्रिया से जुड़ना है। पहले रोजगार का अभाव था, अव्यवस्था थी। हमने योजनाओं को आगे बढ़ाया है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पहले लोगों को पलायन करना पड़ता था, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे। इन दंगाइयों का इलाज केवल डंडा है, बिना डंडे के वे मानेंगे नहीं। मुर्शिदाबाद को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और टीएमसी सब मौन हैं। वे धमकी पर धमकी दे रहे हैं और बांग्लादेश में जो हुआ, उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश अच्छा लगता है, तो वहीं चले जाएं। ऐसे लोग भारत की धरती पर बोझ बन चुके हैं। हरदोई में मेडिकल कॉलेज पूरी तरह तैयार हो चुका है और जल्द ही नर्सिंग कॉलेज भी शुरू होगा। गंगा एक्सप्रेसवे की 99 किलोमीटर की दूरी हरदोई से होकर गुजरेगी, जिससे दिल्ली और प्रयागराज की दूरी घटेगी। (शेष पृष्ठ 7 पर)

मंगेतर के सामने युवती से गैंगरेप, सीएम योगी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में मंगेतर के साथ झाल के पुल पर घूमने आई युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं हैवानों ने मंगेतर के सामने युवती से कपड़े उतरवाएं और उसकी वीडिया बना ली। अब ये मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस वारदात का संज्ञान लिया और पीड़िता को आर्थिक मदद करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद डीएम मेधा रूपम, एसपी अंकिता शर्मा ने उसके घर जाकर पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इस दौरान डीएम व एसपी ने घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया। डीएम ने बताया कि पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाया जाएगा। आठ आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अन्य विधिक कार्रवाई तेजी से संचालित हैं। बीते शुक्रवार शाम 4 बजे आस-पास एक युवती अपने मंगेतर के साथ पिकनिक प्वाइंट झाल के पुल पर घूमने के लिए गई थी। इस दौरान दोनों एकांत में बैठे हुए थे तभी अचानक से 8 लोग मिलकर उनके पास पहुंच गए और दोनों को लोकर गंदे-गंदे शब्द बोलने लगे। थोड़े ही देर बाद मंगेतर पकड़कर मारपीट करने लगे। तभी कुछ आरोपी युवती को घसीटते हुए सुनसान जगह (शेष पृष्ठ 7 पर)

वक्फ कानून में बदलाव मुस्लिमों के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को यह स्पष्ट किया कि वक्फ अधिनियम में किया गया संशोधन मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संशोधन का मकसद पुरानी गलतियों को सुधारना है, ताकि भारत में किसी भी व्यक्ति की जमीन को जबरदस्ती या एकतरफा तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित न किया जा सके। दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में रीजीजू ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी की भी जमीन को उसके अधिकार के बिना वक्फ संपत्ति घोषित करने की प्रक्रिया अब संभव न हो। उनके अनुसार, पुराने कानून के तहत वक्फ बोर्ड को बहुत अधिक अधिकार मिल गए थे, जिससे कुछ मामलों में जमीन के मालिकों के अधिकार प्रभावित हो रहे थे।रीजीजू ने यह भी कहा, हमारा लक्ष्य किसी धर्म या समुदाय को नुकसान पहुंचाना नहीं है। हम सिर्फ कानून की खामियों को दूर करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस संशोधन के बाद अब कोई भी जमीन अपने आप वक्फ घोषित नहीं की जा सकेगी। इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में मुस्लिम संगठनों द्वारा विरोध-प्रदर्शन (शेष पृष्ठ 7 पर)

उच्चतम न्यायालय ने हाईकोर्ट के फैसले की कड़ी आलोचना की

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'खुद ही मुसीबत को न्योता दिया', ऐसा क्यों कहा

नयी दिल्ली। बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि ब्रेस्ट छूना और कपड़े फाड़ना, रेप या रेप की कोशिश नहीं है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संज्ञान लिया है। इसी के साथ कोर्ट ने उस टिप्पणी की भी कड़ी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि पीड़िता ने ष्खुद मुसीबत को न्योता दिया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, अध्यक्षता कर रहे जस्टिस बी. आर. गवई ने कहा कि न्यायपालिका को इस तरह की भाषा के प्रयोग से समाज में गलत संदेश जाता है। इस पीड़िता की मां भी मौजूद थी। जस्टिस गवई ने कहा,अगर हाईकोर्ट आरोपी को जमानत देना चाहता था, तो दे सकता था, लेकिन पीड़िता पर दोष लगाना कहां तक सही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए पीड़िता की समझदारी पर सवाल उठाए।

कोर्ट ने कहा कि पीड़िता एमए की स्टूडेंट थी। एक समझदार होकर भी वह आरोपी के घर पर क्यों गई। उसने मुसीबत को खुद न्योता दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने एक अन्य मामले में हाइकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा था कि 11 साल की बच्ची के ब्रेस्ट छूने और पाजामे का नाड़ा तोड़ने एक महिला की गरिमा को चोट पहुंचाने वाला है, लेकिन रेप की कोशिश नही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस टुटेजा को दी जमानत : उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी अनिल टुटेजा को मंगलवार को सशर्त जमानत दे दी। इसके लिए न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त नियम और शर्तें रखी हैं। पर टुटेजा का फिलहाल जेल से बाहर निकलना मुश्किल है, क्योंकि उनके खिलाफईओडब्ल्यू-एसीबी द्वारा दर्ज केस में हाई कोर्ट जमानत याचिका खारिज कर चुका है। अनिल टुटेजा को 21 अप्रैल, 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। लंबे वक्त से जेल में रहने के आधार पर शीर्ष न्यायालय ने जमानत दी है। इसके साथ ही उन्हें पासपोर्ट जमा करने और सुनवाई के दौरान न्यायालय के साथ सहयोग करते हुए सख्त नियमों और शर्तों पर यह राहत मिली है। टुटेजा की जमानत याचिका का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने विरोध किया। उन्होंने टुटेजा को वरिष्ठ नौकरशाह बताते हुए नागरिक पूर्ति निगम घोटाले में भी शामिल होने के साथ गवाहों को प्रभावित करने का आरोप लगाया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए जमानत मंजूर कर ली।

यह पूरा मामला तत्कालीन भूपेश सरकार में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, उनके बेटे यश टुटेजा और मुख्यमंत्री सचिवालय की तत्कालीन उपसचिव सौम्या चौरसिया के खिलाफ आयकर विभाग ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में (शेष पृष्ठ 7 पर)

26/11 हमले के बाद बदल गया भारत व पाकिस्तान का रिश्ता

आणंद (गुजरात), एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा, भारत बदला है। काश मैं यह कह पाता कि पाकिस्तान बदला है। दुर्भाग्य से वे कई तरह से अपनी बुरी आदतें अपनाए हुए हैं। मैं कहूंगा कि 26/11 मुंबई हमला एक निर्णायक मोड़ था। मुझे लगता है कि तब सभी राजनीतिक दलों समेत भारतीय जनता ने भी कहा-बस, बहुत हो गया।

उन्होंने आगे कहा कि 2014 के बाद जब सरकार बदली पाकिस्तान को एक सख्त संदेश दिया गया कि अगर आतंकी गतिविधियां कीं, तो उसका बुरा नतीजा होगा। इस दौरान हम आर्थिक और राजनीतिक रूप से विकसित हुए और दुनिया में हमारी स्थिति बेहतर हुई। चरोतर यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित एक कार्यक्रम में जहां जयशंकर ने बीते एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आए महत्वपूर्ण परिवर्तन को स्वीकार किया। वहीं, उन्होंने कहा कि इसके उलट पाकिस्तान नहीं बदला है। भारत सरकार पाकिस्तान के बारे में अब ना के बराबर ही चर्चा करती है। विदेश मंत्री ने कहा कि अपने मूल्यवान समय को उनके लिए बेकार करने की जरूरत नहीं है। वहीं, 2020 में गलवान घाटी में (शेष पृष्ठ 7 पर)

सोनिया और राहुल के खिलाफ ईडी ने दायर किया आरोप पत्र

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली से बड़ी खबर सामने आई है। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मंगलवार को औपचारिक रूप से आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। यह कार्रवाई एजेंसी द्वारा लंबे समय से चल रही जांच के तहत की गई है।

इससे पहले अप्रैल के पहले सप्ताह में ईडी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) की करीब 661 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इसके लिए दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में संबंधित रजिस्ट्री कार्यालयों को नोटिस जारी किए गए हैं, जिससे एजेंसी इन अचल संपत्तियों का भौतिक अधिग्रहण कर सके। नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी ने अधिग्रहित किया था। इस यंग इंडियन कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 38-38: हिस्सेदारी है। आरोप है कि इस सौदे के जरिए ।श्रस् की संपत्तियों का गलत तरीके से अधिग्रहण किया गया, जिसकी वर्तमान कीमत सैकड़ों करोड़ में आंकी गई है। ईडी ने अपनी जांच के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों से कई बार पूछताछ की है। जांच एजेंसी को संदेह है कि इस सौदे में वित्तीय अनियमितता और मनी लॉन्ड्रिंग के नियमों का उल्लंघन हुआ है। कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार देती रही है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है ताकि विपक्ष की आवाज को दबाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

बहराइच, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में एक भीषण सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। गोंडा-बहराइच हाईवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब तेज रफ्तार बस ने एक टेंपो को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस टक्कर में टेंपो में सवार लोग हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे, जबकि कुछ लोग टेंपो में ही फंसे रह गए। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं, दो मासूम बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं। मरने वालों की पहचान मरियम (65), मुन्नी (45), अमजद (45), अजीम (12) और फहद (5) के रूप में हुई है। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य थे, जो शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद इनमें से पांच की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें लखनऊ के लिए रेफर किया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई और राहगीरों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन की शुरुआती जांच के मुताबिक हादसे की वजह एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करने की कोशिश में बस सामने से आ रहे टेंपो से टकरा गई। इस हादसे में टेंपो में सवार 16 लोगों की जिंदगी पलभर में बदल गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को यहां उद्योगपति और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा से हरियाणा में जमीन सौदे से संबंधित धन शोधन के मामले में पूछताछ की। निदेशालय के यहां स्थित कार्यालय में अधिकारियों ने वाड्रा से हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन खरीद के सौदे के संबंध में काफी सवाल जवाब किये गये। सूत्रों के अनुसार निदेशालय को इस सौदे के बारे में कुछ नयी जानकारी मिली थी और श्री वाड्रा से इसी पर पूछताछ की जानी थी। उद्योगपति वाड्रा ने संवाददाताओं से बातचीत में इस कार्रवाई को 'बदले की राजनीति' से प्रेरित बताया है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

जब राजनीतिक इच्छाशक्ति और स्पष्ट विजन हों तो परिवर्तन जमीन पर उतरता है : डॉ राजेश्वर सिंह

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का स्मार्ट सिटी विजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह नागरिकों के जीवन को तकनीक-सुलभ,पर्यावरण-हितैषी और प्रशासनिक रूप से जवाबदेह बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। मंगलवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से अपने शहरी विकास दृष्टिकोण 5 पिलर्स ऑफ ए स्मार्ट सिटी को सार्वजनिक किया।

यह विजन केवल एक विधानसभा क्षेत्र की सीमा में नहीं बंधा है, बल्कि यह पूरे भारत में स्मार्ट शहरों के लिए एक आदर्श ढांचा बनकर उभरा है। सरोजनीनगर में लागू हो चुकी सफल योजनाएं जैसे सोलर स्ट्रीट लाइटिंग, स्वच्छ जल आपूर्ति और ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर यह दर्शाती हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति और स्पष्ट योजना साथ हों तो परिवर्तन ज़मीन पर उतर सकता है।

डॉ. राजेश्वर सिंह के स्मार्ट सिटी के 5 स्तंभ को प्राथमिकता देते हैं। उनके पांच स्तंभ स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग यानी उजाले के नीचे सुरक्षित जीवन- डॉ. सिंह का मानना है कि स्मार्ट लाइटिंग से न केवल ऊर्जा की बचत होती है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा भी बढ़ती है। एलईडी और सोलर सेंसर आधारित लाइटिंग, मोशन डिटेक्शन, फॉल्ट अलर्ट और केंद्रीकृत नियंत्रण, रियल-टाइम डिमिंग और मॉनिटरिंग- इनका प्रभाव 70 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत करना है। अपराध दर में 30 प्रतिशत तक गिरावट। वैश्विक उदाहरण सैन डिएगो और बार्सिलोना ने आपातकालीन सेवाओं

और फुटफॉल डेटा से लाइटिंग को जोड़ा है। सरोजिनी नगर में 1,000+ सोलर स्ट्रीट लाइट्स और 125+ हाई मास्ट लाइट्स स्थापित की गई हैं। वहीं ग्रीन मोबिलिटी और

- विजन उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि अन्य शहरों के प्रेरणा का स्रोत

ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर-हरित भविष्य की ओर तेज़ी से बढ़ते कदम- लक्ष्य 70से 80 प्रतिशत निजी व व्यावसायिक वाहन इलेक्ट्रिक, सार्वजनिक परिवहन का 100प्रतिशत विद्युतीकरण, एआई-आधारित ट्रैफिक नियंत्रण, चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग की उपलब्धता। अंतरराष्ट्रीय उदाहरण शेन्ज़ेन (चीन)-सभी बसें और टैक्सियाँ 100प्रतिशत इलेक्ट्रिक, नॉर्वे- 84 प्रतिशत नई कार बिक्री ईवी। सरोजनीनगर की विशेषताः अशोक लीलैंड की ई बस फैक्ट्री, जहाँ हर साल 2,500 बसों का निर्माण क्षेत्र को ग्रीन मोबिलिटी हब में बदल रही है। स्वच्छ जल की पहुंच - शुद्ध जल, अधिकार नहीं, ज़रूरत है। सेंसर आधारित पाइपलाइन से लीकेज की पहचान, डिजिटल मीटर और ऑटोमेटेड बिलिंग, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण और भूजल पुनर्भरण ज़ोन वैश्विक मॉडलः सिंगापुर का एनई वाटर और इज़राइल की ड्रिप इरिगेशन एवं जल पुनः उपयोग प्रणाली। सरोजनीनगर में 3 पुनर्जीवित तालाब, 2 कार्यरत एसटीपीएस और (2 निर्माणाधीन), और पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार।

कचरा प्रबंधन : स्वच्छता को सामाजिक क्रांति में बदलना , घर-घर कचरा संग्रहण और रूट मॉनिटरिंग, स्मार्ट बिन्स और कंपोस्टिंग यूनिट, मटेरियल रिकवरी सेंटर,संचालन लागत में 20 प्रतिशत की कमी, स्वास्थ्य समस्याओं में 15 प्रतिशत की गिरावट। सरोजनीनगर की पहल- 25,000+ ईको फ्रेंडली बैग वितरित, छात्रों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ज़ीरो-वेस्ट अभियान।

शिकायत निवारण - तकनीक के माध्यम से जवाबदेह प्रशासन।

एकीकृत समाधान- सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई ऐप और ई नगर सेवाओं का समन्वय, लाइव ट्रैकिंग, वॉट्सऐप अपडेट और नागरिक रेटिंग, मोबाइल शिकायत वैन और डिजिटल सेवा केंद्र।

प्रभाव- नागरिक संतुष्टि में 25 प्रतिशत वृद्धि, सक्रिय नागरिक भागीदारी में 20प्रतिशत इज़ाफा।

सरोजनीनगर की ज़मीनी हकीकत- 13 डिजिटल केंद्र सेवा हब के रूप में, 115 से अधिक 'आपका (शेष पृष्ठ 7 पर)

क्षेत्र पंचायत बैठक में की गई विकास कार्यों की समीक्षा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। शिवगढ़ ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख कुंवर हनुमंत प्रताप सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पिछले वित्तीय वर्ष में कराए गए विकास कार्यों को पढ़कर सुनाया गया एवं उनकी समीक्षा की गई। वहीं नये वित्तीय वर्ष में कराए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर कार्य योजना पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों से विकास कार्यों को लेकर प्रस्ताव मांगे गए।

- बैठक में दी गई सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी

बैठक में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, पंचायती राज विभाग, पशुपालन विभाग, ग्राम विकास विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे जिनके द्वारा सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर खण? विकास अधिकारी बाबूलाल वर्मा, एडीओ पंचायत मोहित सिंह,एडीओ समाज कल्याण स्वप्निल सिंह, खण्ड शिक्षाधिकारी अनिल मिश्रा, पशु चिकित्साधिकारी डॉ.इंद्रजीत वर्मा, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी जयराम यादव, एडीओ कृषि दिलीप सोनी, प्रधान संघ संरक्षक राजकुमार सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष पवन सिंह, कुम्भी प्रधान अशर्फीलाल यादव, रतीपाल रावत, प्रधान प्रतिनिधि जानकी शरण जायसवाल, ग्राम विकास अधिकारी तरुण सिंह, सुमित वर्मा, टोकन वर्मा, भोलेंद्र वर्मा, सतीश कुमार, अंजली वर्मा, दीपिका, अमिता सिंह के साथ ही क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

दो कारों में आमने-सामने टक्कर एक की मौत और 10 घायल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। जगतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, 10 लोग घायल हो गए हैं। गंभीर घायल को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। जगतपुर के लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर इसौर ड्रेन के पास दो कारों में आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें एक युवक की मौत तथा 10 लोग घायल हो गए। घायलों को जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद एक की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर भेजा गया।

मंगलवार को लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर इशौर ड्रेन के पास होंडा इमेज व एक्सयूवी के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें होंडा इमेज के चालक विश्वजीत यादव (48) निवासी सियाराम कॉलोनी पूरे नर्सिंगभान करनपुर जिला प्रतापगढ़ की मौके पर मौत हो गई। वहीं, एक्सयूवी में सवार नायक (14) पुत्री सरफराज, ऐमन (12) पुत्र सरफराज अहमद, दान्याद (9) पुत्र सरफराज, सेमन (18) पुत्री सरफराज अहमद, निभात पत्नी सरफराज अहमद, शाइस्ता पत्नी परवेज, अफताब सिद्धकी, अहमद नबील पुत्र इकबाल, ओवैसी पुत्र सेख और अहमद सरफराज अहमद पुत्र मुस्ताक निवासीगढ़ लखनऊ घायल हो गए जिसमें स्थानीय लोगों में एंबुलेंस तथा पुलिस की मदद से जगतपुर सीएससी लाया गया। जहां पर ऐमन की हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया है। सीएचसी के अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर ने बताया कि सड़क दुर्घटना में 10 लोग घायल अवस्था में आए थे। एक की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर भेजा गया है और अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेजा गया है। जगतपुर थानेदार ने बताया है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत किया जाएगा।

अम्बेडकर के सपनों का भारत विषय पर शिया पीजी कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। शिया पीजी कॉलेज में मंगलवार को अम्बेडकर के सपनों का भारत विषय पर एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संविधान सभा के अध्यक्ष और भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और सामाजिक न्याय की दिशा में किए गए प्रयासों को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का सपना तभी साकार होगा जब समाज का हर वर्ग शिक्षित होगा और देश में शत-प्रतिशत साक्षरता प्राप्त की जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि शिया पीजी कॉलेज के प्रत्येक विभाग में डॉ. अंबेडकर की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे छात्र अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शबीह रजा बाकरी ने डॉ. अंबेडकर की विचारधारा को याद करते हुए कहा कि वे ऐसा समाज बनाना चाहते थे, जहाँ सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि अंबेडकर का दृष्टिकोण समावेशी था और उनकी सोच आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आगा परवेज मसीह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने ऐसे भारत का सपना देखा था, जहाँ शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो और समाज में किसी प्रकार का भेदभाव न हो। उन्होंने यह भी जोड़ा कि डॉ. अंबेडकर के सपनों को साकार करने की दिशा में आज भी संघर्ष जारी है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गौतम राणे सागर ने कहा कि बाबा साहब एक प्रबुद्ध समाज को बनाने की कोशिश कर रहे थे। सागर ने कहा कि बिना शिक्षा का स्तर बढ़ाए प्रबुद्ध समाज नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय और श्रमिकों (मजदूरों) के अधिकारों के लिए भी बहुत काम किया, ताकि समाज में किसी भी नागरिक के अधिकारों का हनन न हो। संविधानिक नैतिकता पर बात करते हुए सागर ने कहा कि देश की उन्नति भ्रष्टाचार को खत्म किए बिना सम्भव नहीं है। विद्यांत पीजी कॉलेज के प्रो. ध्रुव त्रिपाठी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की विचारधाराओं में मूल रूप से समानता थी, दोनों समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना चाहते थे। वहीं प्रो. नरेंद्र सिंह ने इस ओर ध्यान दिलाया कि आज प्रत्येक नागरिक को मतदान का समान अधिकार डॉ. अंबेडकर की ही देन है। प्रो. मनोज पांडे ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल दलितों और वंचितों की ही नहीं, बल्कि समूचे सर्वजन समाज की बात करते थे, जो भारतीय संविधान की प्रस्तावना में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि उनका दृष्टिकोण सामाजिक समरसता और आर्थिक समानता पर आधारित था।पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. चंद्रपाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक नागरिक को समानता और गरिमा का अधिकार दिया। इस अवसर पर रामलोट बौद्ध ने जानकारी दी कि उन्होंने अब तक संविधान की 50,000 प्रतियाँ वितरित की हैं और उनका लक्ष्य एक लाख प्रतियाँ वितरित करने का है। श्री अजीत सिंह ने एनसीसी कैडेट्स का सहभागिता कराई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं डॉ एजाज अतहर, प्रोफेसर भुवन भास्कर, प्रोफेसर शफी हैदर अमिल, डॉ अरशद रिजवी, डा तनवीर हसन आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बाइक की टक्कर से हिरन घायल

रायबरेली, चसं। महराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवोदय विद्यालय के पास बाइक की टंकार से हिरन गंभीर रूप से घायल हो गया।वन दरोगा ने बताया कि घायल हिरन का उपचार करवाया जा रहा है।

मिष्ठान की दुकान पर छापा

रायबरेली, चसं। नगर पालिका के अंतर्गत रतापुर है जहां के चर्चित रेस्टोरेंट में छापेमारी किया गया है। जहां के मिष्ठान घटिया होने पर उसकी शिकायत हुई थी। खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच जांच पड़ताल जारी किया गया है।

घायल मिले व्यक्ति को मृतक किया घोषित

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मेड़ई खेड़ा निवासी राजकपूर संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के निकट घायल मिले।जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उपचार दौरान मौत हो गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

मारपीट का वीडियो वायरल

रायबरेली, चसं। सलोन थाना क्षेत्र अंतर्गत भाटनकापुरवा में दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों में एक दर्जन लोग घायल हुए हैं। जिसके वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ है। सीओ ने बताया कि प्रकरण की जांच करवाया जा रहा है।

युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, गम्भीर

रायबरेली, चसं। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मलिकमऊ की रहने वाली युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसके बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रकरण की जांच करवाया जा रहा है।

ओवरब्रिज निर्माण का पार्ट गिरा

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत ओवर ब्रिज का निर्माण के पार्ट एकाएक गिर गया था। जिसके बाद उसके गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि लोगों द्वारा भाग कर अपनी जान बचाई है।

चोरों ने लाखों के जेवर की चोरी

रायबरेली, चसं। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सम्राट नगर में आईटीबीपी के जवान के घर पर चोरों द्वारा लाखों रुपए के जेवरात पार कर दिया गया है। सीओ ने बताया कि जांच करवाया जा रहा।

भारतीय किसान यूनियन और जमीअतुल राईन एक साथ,लड़ाई साथ लड़ने का संकल्प

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया जमीअतुल राईन और भारतीय किसान यूनियन (अवध) कि संयुक्त संगोष्ठि हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग किसान यूनियन से जुड़े। दोनों संगठन के लोगों ने कहा कि साथ मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। किसान खेतों में संघर्ष करता है। राइन समाज के लोग सड़कों पर मेहनत करते हैं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वसीम राईन ने कहा कि राईन समाज के लोग लाखों की तादाद में है । हमारी जीविका सब्जी और फल व्यापार से जुड़ी है। यह व्यापार मंडी समितियों और किसानों से सीधा जुड़ा हुआ है। जब किसान संकट में होता है तो उसका असर हम पर भी पड़ता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मानजनक जीवन के लिए लड़ाई लड़ें। किसान और राईन समाज एक सिक्के के दो पहलू हैं। वसीम राईन ने कहा कि किसान और छोटे व्यापारी को सरकार ने योजनाओं में मात्र आंकड़ों तक सीमित कर दिया गया है। हमारे समाज के लोग जो अपने सिर पर टोकरियां रखकर गलियों में सब्जी-फल बेचते हैं आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। मंडियों में शोषण होता है फुटपाथ पर जबरिया हटाया जाता है। किसानों की जमीनें भू-माफियाओं की नजर में हैं। दर्जनों समस्याओं से हम हर दिन जूझते हैं। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने कहा कि किसान और पसंद मुसलमान 1 मंच पर होना जरूरी है। आज देश के किसानों और पसमांदा मुसलमान का हर तरफ शोषण हो रहा है। यह दोनों ही समाज के मेहनतकश वर्ग है। आगे साथ मिलकर हम लोग लड़ाई लड़ेंगे। वही इन्होंने पीएम मोदी के वक्फसंपत्ति पर बयान को लेकर कहा की प्रधानमंत्री सिर्फबयान देते हैं। बयान से ज्यादा आवश्यकता है अल्पसंख्यक मुसलमान के लिए बजट जारी किया जाए और जमीनी स्तर पर के उन केलिए काम किया जाए।

अखिल भारतीय सम्मेलन में निजीकरण का निर्णय वापस लेने की मांग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली में हुए सम्मेलन में आज अलग अलग उद्योगों के बीस राष्ट्रीय महासंघों ने उत्तर प्रदेश में चल रही बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया निरस्त करने का प्रस्ताव पारित कर चेतावनी दी है कि निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत उप्र के बिजली कर्मियों का उत्पीड़न किया गया तो देश भर के करोड़ों कर्मचारी आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

- निजीकारण के विरोध में बीस राष्ट्रीय महासंघों का समर्थन

सम्मेलन आल इंडिया फेडरेशन अगेंस्ट प्राइवेटाइजेशन के तत्वावधान में कांस्टीट्यूशन क्लब में हुआ। सम्मेलन में उपस्थित बीस राष्ट्रीय श्रम संघों की सूची संलग्न है। मुख्यतया आल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन, ऑल इंडिया कंफेडरेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स, संचार निगम कर्मचारी महासंघ, आल इंडिया इंश्योरेंस इम्प्लाइज फेडरेशन, एटक, इंटक और अन्य फेडरेशन के शीर्ष पदाधिकारियों ने उप्र में बिजली के निजीकरण का विरोध किया और उप्र के बिजली कर्मियों को पुरजोर समर्थन दिया। सम्मेलन में ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन, आल इंडिया फेडरेशन ऑफइलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज, आल इंडिया पावर मेन्स फेडरेशन के शीर्ष पदाधिकारी भी उपस्थित थे। आल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन ने निजीकरण विरोधी प्रस्ताव का समर्थन किया। राष्ट्रीय महासंघों की ओर से शिव गोपाल मिश्र, डॉ ए मैथ्यू, गिरीश भावे, अशोक सिंह, शैलेन्द्र दुबे,के अशोक राव ने निजीकरण से उपभोक्ताओं और कर्मचारियों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की चर्चा की। उप्र के पी के दीक्षित और मोहम्मद वसीम ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के पदाधिकारियों ने आज लखनऊ में कहा कि जब अवैधानिक ढंग से नियुक्त कंसलटेंट ग्रांट थॉर्टन का फर्जीवाड़ा सामने आ गया है और कंसल्टेंट का शपथ पत्र झूठा पाया गया है तब मुख्य सचिव को कार्यवाही कर कंसल्टेंट की नियुक्ति तत्काल निरस्त करनी चाहिए। निजीकरण के विरोध में 16 अप्रैल से जन जागरण पखवाड़ा प्रारम्भ हो रहा है जिसमें सांसदों और विधायकों को ज्ञापन दो अभियान चलाया जाएगा।

ग्रांट थॉर्नटन कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर उसके काम पर लगाई जाय : दक्षिणांचल व पूर्वांचल के 42 जनपदों में निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली ब्रिटिश कंपनी ग्रैंड प्रांतन के ऊपर उपभोक्ता परिषद द्वारा जो गंभीर आरोप लगाए गए थे और खुलासा किया गया था कि अमेरिका के रेगुलेटर पब्लिक कंपनी एकाउंटिंग ओवर साइट बोर्ड द्वारा फरवरी 2024 में कंपनी पर रुपए 40000 डॉलर का जुर्माना लगाया था। सेंसरिंग अवार्ड किया था। उस पर पावर कॉरपोरेशन द्वारा 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया अंततः ग्रांट थ्रोनटन कंपनी ने जो जवाब दाखिल किया है उसमें उसके द्वारा उपभोक्ता परिषद ने जिस अमेरिकन रेगुलेटर के आर्डर का मामला उठाया था उसे आस्वीकार नहीं किया गया। वह सही पाया गया ग्रांट थॉर्नटन कंपनी ने उस अमेरिकन रेगुलेटर के आर्डर को स्वीकार किया है। इस प्रकार कंसल्टेंट कंपनी द्वारा दिया गया शपथ पत्र स्वत झूठा साबित हो गया है।इसी आधार पर उक्त कम्पनी को ब्लेक लिस्ट करते हुए उसके काम पर रोक लगाई जाए। उपभोक्ता परिषद में प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग उठाई है कि यह निजीकरण की शुरुआत में ही भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा मामला है। ऐसे में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए दोषी उच्च अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा जब अब तय हो गया कि उपभोक्ता परिसद ने जी अमेरिका के आदेश का हवाला देकर बड़ा खुलासा किया था वह आदेश सत्य है। ऐसे में अब पावर कारपोरेशन के पास कंसल्टेंट कंपनी को ब्लैक लिस्टिंग करने और उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता है। यदि इसमें कोई भी उसको बचाने की कोशिश करेगा तो वह बड़े भ्रष्टाचार का भागी होगा। पावर कारपोरेशन ने स्वतः अपना नियम बना रखा है कि कोई भी फार्म टेंडर में यदि झूठा अभिलेख लगाएगा तो उसे तत्काल 2 से 5 साल के लिए ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। पावर कारपोरेशन के सामने केवल एक ही सबसे बड़ा सवाल था कि उपभोक्ता परिषद ने जी आदेश का हवाला दिया है उसकी वैधता कितनी है अब जब उसे आदेश के क्रम में ग्रैंड प्रांतन कंपनी ने खुद अपना जवाब दाखिल कर दिया है और उसे आदेश को उसके द्वारा भी माना गया है फिर अब निजीकरण की प्रक्रिया पर जो कार्यवाही कराई जा रही है। उसे पर रोक लगाने में इतनी देरी क्यों की जा रही है।

गो सेवा से गांव आत्मनिर्भरता की ओर, गो सेवा आयोग अध्यक्ष ने की अयोध्या मण्डल की समीक्षा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग द्वारा अयोध्या मंडल में मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक आयोग द्वारा लिए गए निर्णायक निर्णयों की जमीनी क्रियान्वयन प्रक्रिया को तेज करने और गोसेवा को जनांदोलन बनाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास के रूप में सामने आई।

- हरे चारे की अनिवार्यता और वास्तविक गो गणना का पारदर्शी सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा

इस बैठक में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के माननीय अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता उपाध्यक्ष महेश शुक्ल एवं अतुल सिंह तथा राजेश सिंह सेंगर की उपस्थिति रही। बैठक में अयोध्या मंडल के अधिकारियों ने सहभागिता कर आयोग को गोशालाओं की पारदर्शिता, जवाबदेही, गोवंश स्वास्थ्य सेवा की मजबूती और प्राकृतिक खेती के प्रसार हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक में निर्णय लिया गया कि हरे चारे की अनिवार्यता और वास्तविक गो गणना का पारदर्शी सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। गोमूत्र एवं गोबर आधारित स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, बायोगैस प्लांट का विस्तार तथा किसानों को गोपालन हेतु प्रेरित करने के अभियान को तेज किया जाएगा। मॉडल किसानों के नवाचारों को अपनाने हेतु स्थलीय यात्राएं कराई जाएंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर जैविकध्प्राकृतिक कृषि को बल मिले। वर्तमान में प्रदेश की लगभग 7713 गोशालाओं में 12 लाख 58 हजार गोवंश संरक्षित हैं। इन गोशालाओं को प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में विकसित कर प्राकृतिक कृषि, बायो ऊर्जा एवं पंचगव्य उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण और रोजगार मिल सके। मंडल स्तरीय गो आधारित प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। चारागाह भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर उसे गोवंश के लिए चारा उत्पादन हेतु उपयोग में लाया जाएगा।आईजीएफआरआई झांसी के माध्यम से बहुवर्षीय और मौसमी चारे का उत्पादन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। गोशालाओं में छायादार वृक्षों बरगद, नीम, पीपल, सहजन आदि का वृक्षारोपण व्यापक रूप से किया जाएगा। सीमावर्ती जनपदों में गो-तस्करी रोकने हेतु एडीजी स्तर और जनपद स्तर पर एएसपी स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों के समन्वय से गोशालाओं को स्वावलंबी बनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वाहन की टक्कर से बाइक सवार 4 घायल

हरचंदपुर रायबरेली, चसं। थाना क्षेत्र के आईडीटीआर मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास उस समय अफरा तफरी का माहौल हो गया जब एक अज्ञात वाहन ने बाइक से जा रहे दो मासूम सहित पति-पत्नी को टक्कर मार दी, टक्कर मारकर अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया। आनन फानन सभी घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है जहां पर महिला की हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दरअसल पूरा मामला थाना क्षेत्र के आईडीटीआर मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास का है जहां पर बाइक से आ रहे राममिलन पुत्र गुरु चरण व उनकी पत्नी आरती साथ में दो मासूम बच्चे कार्तिक 3 साल और रौनक 8 साल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं स्थानी लोगों की मदद से सभी घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य के पहुंचाया गया जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद आरती की हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। थाना अध्यक्ष आदर्श सिंह ने बताया है कि थोड़ा खांसी की सूचना मिली है सभी घायलों को अस्पताल भिजवा दिया गया है अज्ञात वाहन की तलाश की जा रहे हैं।

आज शिवगढ़ में सांसद केएल शर्मा चौपाल में सुनेंगे ग्रामीणों की समस्याएं

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। क्षेत्र के सुहागमती का पुरवा मजरे ऐमापुर में आज बुधवार को दोपहर एक बजे अमेठी सांसद केएल शर्मा चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याऐं सुनेंगे। कार्यक्रम की जानकारी रामेश्वर लोधी द्वारा दी गई। रामेश्वर लोधी ने बताया कि चौपाल का आयोजन उनके नेतृत्व में लोधी समाज द्वारा किया जायेगा। शिवगढ़ ब्लाक कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट गौरव मिश्रा ने क्षेत्र के लोगों से सम्पर्क कर चौपाल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बछरावां का ओवर ब्रिज कर रहा किसी बड़े हादसे का इंतजार, टूटा पुल गिर रहे पत्थर

बछरावां रायबरेली, चसं। कस्बे के बांदा बहराइच राजमार्ग पर बने ओवर ब्रिज के रिपेयरिंग के काम में हुई लापरवाही आपको बता दें कस्बे के लालगंज रोड पर बने ओवर ब्रिज की रिपेयरिंग का काम चल रहा है जिसमें क्रॉसिंग के बगल में ओवर ब्रिज पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए जिससे ऊपर से जितना मालवा है वह सब नीचे गिर रहा है गिरने वाला मालवा पत्थर नुमा है जो किसी पर पड़ेगा तो उसका घर मातम में तब्दील हो जाएगा सूचना पर पहुंची बछरावां पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कर रही है और लगातार पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से संपर्क साधने का काम कर रही लेकिन खबर लिखे जाने तक किसी प्रकार से कोई सुरक्षा नहीं की गई थी पुलिस आने जाने वाले राहगीरों को सतर्क कर रही है द्य

जामताड़ा गैंग के कनेक्शन की हो रही जांच

रायबरेली, चसं। स्वास्थ्य विभाग में एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती में साइबर अपराधियों की सेंध के मामले की जांच चल रही है। जामताड़ा गैंग के कनेक्शन को खंगाला जा रहा है। पकड़ में आए मोबाइल नंबरों की आईपी का पता लगने के बाद शातिरों तक पहुंचा जा सकेगा। हालांकि, दो माह बाद भी डॉक्टरों की भर्ती का रिजल्ट घोषित नहीं हो सका है। जिले में एमबीबीएस डॉक्टरों के 24 पदों को भरने के लिए बीती सात फरवरी को इंटरव्यू हुआ था। साक्षात्कार के साथ ही साइबर अपराधी सक्रिय हो गए थे। अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबरों पर फोन करके चयन सूची में नाम शामिल कराने के लिए रुपये की मांग की गई थी। 15 से अधिक अभ्यर्थियों को फोन करके खातों में रुपये भेजने के लिए कहा गया था। ऑडियो मिलने के बाद सीएमओ ने एसपी से मामले की जांच कराकर कार्रवाई का अनुरोध किया था। इसके बाद साइबर थाना पुलिस जांच कर रही है। पकड़ में आए मोबाइल नंबरों की आईपी की जांच कराई जा रही है। इसी के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि शातिरों के तार कहां से जुड़े हैं। इस संबंध में पुलिस ने झारखंड और बिहार पुलिस से गैंग के संबंध में रिपोर्ट मांगी है। साइबर थाना प्रभारी का कहना है कि मोबाइल नंबरों की आईपी को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आते ही शातिरों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। उधर, इंटरव्यू के बाद ही अपराधियों की सेंध के कारण अब तक रिजल्ट घोषित नहीं हो सका है। इसी माह रिजल्ट घोषित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सीएमओ डॉ. नवीनचंद्रा का कहना है कि रिजल्ट लगभग तैयार हो चुका है। जल्द ही घोषित किया जाएगा।

भारत के साथ दुबई, नेपाल व बांग्लादेश तक फैला है पाक के रहीम का नेटवर्क

रायबरेली, चसं। फर्जी दस्तावेज की मदद से बैंकों में खाता खुलवाकर पैसों का लेनदेन कराने वाला रहीम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सादिकाबाद का रहने वाला है। साइबर अपराध के माध्यम से टेरर फंडिंग के लिए उसने खाड़ी देशों के साथ ही पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश तक मजबूत नेटवर्क तैयार कर लिया है। पुलिस और एसटीएफ की जांच में पता चला है कि रहीम अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का सरगना है। उसके इशारे पर गिरोह के सदस्य लोगों को पैसों का लालच देकर बैंक खाता खुलवाते हैं। इसके बाद उन खातों में विदेशों से पैसे भेजे जाते हैं। ऐसे में जमा की जानकारी है। निकासी का भी विवरण है, लेकिन खर्च की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। रायबरेली की डीह पुलिस ने शुक्रवार को साइबर क्राइम के आरोप में संजय पांडेय, सोनू पांडेय, दुर्गेश और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। उनके तार विदेश में बैठे रहीम से जुड़े मिले। इन्हीं के माध्यम से रहीम बिहार, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल व झारखंड में बैंक खाता खुलवाया था। सभी खातों से करीब 120 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया है। 42 करोड़ रुपये अन्य बैंक खातों के माध्यम से निकाले गए हैं।

दुबई में संजय और रहीम की हुई थी मुलाकात : जांच में पता चला है कि आरोपी संजय पांडेय नौकरी के सिलसिले में 2023 में दुबई गया था, जहां उसकी मुलाकात रहीम से हुई थी। रहीम ने संजय को पैसे का लालच देकर भारत भेजकर लोगों के बैंक खाते खुलवाने के लिए तैयार किया। चार माह बाद संजय भारत लौट आया। उसने बड़ी संख्या में लोगों के खाते खुलवाए और डेबिट कार्ड व चेकबुक अपने पास रख लिए। इसके बदले रहीम ने संजय और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों को मोटा कमीशन दिया।

एनआईए को विवेचना ट्रांसफर कराने की तैयारी : मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है। पुलिस के पास जांच के लिए एक्सपर्ट नहीं हैं। अभी जांच डीह थाना प्रभारी कर रहे हैं। मामले की पेचीदगी और गंभीरता को देखते हुए पुलिस अफसर विवेचना को राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को ट्रांसफर करने की तैयारी में हैं।

बैंक की मनमानी, उपभोक्ता परेशान

रायबरेली, चसं। बैंक ऑफ बड़ौदा की जमुनापुर शाखा में सुबह से कैश के अभाव में परेशान खाता धारक रहे, जबकि शादी विवाह से लेकर किसानों की मड़ाई तक का कार्य है पीक पर है और खाता धारकों में बैंक के प्रति खासी नाराजगी। उधर थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा।

युवक की बाइक जली, जांच शुरू

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रम्ह जीतपुर में रिश्तेदारी आए हनुमंत निवासी मोहिद्दीनपुर प्रतापगढ़ की बाइक में एकाएक आग लग गई। जिससे उसकी बाइक जल कर राख हो गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

हमले से हिरन घायल

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत हमला करने से हिरन का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके हमले को लेकर अलग-अलग चर्चाएं थी। डीएफओ ने बताया कि प्रकरण की जांच क्षेत्रीय टीम भेजकर करवाया जा रहा है।

महिला ने प्रधान पर लगाया आरोप

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव इटौरा बुजुर्ग निवासिनी किरन ने एसपी व डीएम को शिकायती पत्र देकर जबरन भूमि पर कब्जा कर लेने का आरोप लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

अटल बिहारी के ड्रम प्रोजेक्ट मोतीझील सौन्दर्यीकरण पर भूमाफिया डाल रहे मिट्टी

लखनऊ, चसं। ऐशबाग क्षेत्र में मोतीझील कालोनी स्थित यमुना झील को एक बार फिर भूमाफियाओ द्वारा मिट्टी डाल कर पाटने का कार्य किया जा रहा है। एक तरफझील का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है तो दूसरी तरफइसे पाट कर जमीन कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है। ब्ताते चले कि यमुना झील का सौन्दर्यीकरण पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसमे पर्यावरण विभाग, एनजीटी, लखनऊ विकास प्राधिकरण सहित खुद मंडलायुक्त शामिल है। इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के चलते भूमाफिया अपना कार्य बदस्तूर जारी रखे हुए है। मंगलवार को यमुना झील को मिट्टी डाल कर पाटने की सूचना मिलते ही सासंद लेखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी राघवेन्द्र शुक्ला ने मौके पर पहुंचे। उन्होंनें लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को बुलवा कर झील पाटने के कार्य को बंद करवाया तथा वहां कार्य कर रहे मुबारक अली से कागजात मांगे। ज्ञात हो कि मोतीझील कालोनी में हिंदू शमशान और यमुना झील से सटी भूमि का खसरा 149 बताया जा रहा है। एलडीए की टीम खसरा व खतौनी की जांच कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। साथ ही घटना की जानकारी आला अधिकारियों को दे दी गयी है।

मायावती ने आईआईटी और आईआईएम में कैम्पस सेलेक्शन में गिरावट पर जताई चिंता

लखनऊ, चसं। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में कैम्पस सेलेक्शन में गिरावट को लेकर चिंता जतायी है और सरकार को रोजगार के क्षेत्र में पुख्ता कदम उठाने की सलाह दी है। मायावती ने मंगलवार को एक्स पर लिखा आईआईटी, आईआईएम व एनआईटी समेत देश के 17 शीर्ष केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों में लम्बे समय से स्थाई प्रमुख नहीं होकर तदर्थ व्यवस्था के बीच कैम्पस सेलेक्शन में गिरावट के प्रति संसदीय समिति द्वारा चिन्ता व्यक्त करने की खब्बर सरकार के गवरनेन्स को लेकर अनेकों सवाल खड़ी करती है। उन्होने कहा वैसे भी सरकारी नौकरियों तथा शिक्षित बेरोजगार व हुनरमन्दों आदि के लिए उपयुक्त रोजी-रोजगार का अभाव तथा अधिकतर कूरियर सर्विस, सेल्समैन, सुरक्षा गार्ड व गैरहुनरमन्दों के अस्थायी जॉब ने लोगों को काफी परेशान व दुखी कर रखा है। रोजगार व गुड गवरनेन्स के प्रति गंभीर उपाय जरूरी।

द मदद सहयोग गाइडेंस की तरफ से निशुल्क मैडिकल कैंप का आयोजन

लखनऊ, चसं। पुराने लखनऊ स्थित घंटाघर के सामने रईस मंजिल में द मदद सहयोग गाइडेंस की तरफसे फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आलम रिजवी के पिता की याद में मेडिकल कैंप का आयोजन संस्था द्वारा किया गया। इस मेडिकल कैंप में जरूरी जांच के साथ-साथ मरीजों को मुफ्त दवाएं वितरित की गई आज के मेडिकल कैंप में लगभग 100 मरीज को देखकर उन्हें दवाएं दी गई। इस मेडिकल कैंप में बताओ और मुख्य अतिथि अंदलीब जैदी (मॉडल ,इंवायरन्मेंटलिस्ट एनिमल राइट्स एडवोकेट, मिस यूनिवर्स उत्तर प्रदेश सेकंड रनॉनर) मौजूद रहीं। मेडिकल कैंप में डॉक्टर टीम में डॉक्टर मोहम्मद परवेज अख्तर (एमबीबीएस एमडी), डॉक्टर अक्सा आरिफ(एमबीबीएस एमडी), डॉक्टर मोहम्मद सालिम (रेसिडेंट डॉक्टर रिस्पेरिटि मेडिसिन केजीएमयू) मौजूद रहे। फाउंडेशन की टीम में जफर अब्बास,नबील अहमद, इंशा अली, फातिमा नाज, अभय, अंदलीब फातिमा, फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आलम और फाउंडेशन के संस्थापक मोहम्मद सादिक मौजूद रहे।

कई आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार देर रात 9 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। समाज कल्याण विभाग के सचिव समीर वर्मा को महानिरीक्षक निबंधन बनाया गया है। लोक निर्माण विभाग में तैनात भूपेंद्र चौधरी को आयुक्त, खाद एवं रसद विभाग बनाया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के स्टेट नोडल अफसर हीरालाल को आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समितियां बनाया गया है। सचिव रेरा प्रमोद कुमार उपाध्याय आयुक्त गन्ना एवं चीनी के पद पर भेजा गया है। गन्ना आयुक्त पीएन सिंह को दो माह के अवकाश पर जाने की वजह से प्रतीक्षारत कर दिया गया है।गृह विभाग के सचिव वैभव श्रीवास्तव को प्रबंध निदेशक पीसीडीएफबनाया गया है। बी. चंद्रकला को सचिव पंचायती राज बनाया गया है। उनके पास महिला कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। नगर विकास विभाग के विशेष सचिव अमित कुमार सिंह को निदेशक पंचायती राज विभाग बनाया गया है। सिंचाई विभाग के सचिव नवीन कुमार जीएस को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के स्टेट नोडल अफसर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सपा को नहीं मिला कांग्रेस का साथ, अकेले पड़े अखिलेश

लखनऊ, चसं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने समाजवादी पार्टी के नेताओं रामजी लाल सुमन और इंद्रजीत सरोज के बयानों पर समर्थन न देने का संकेत दिया है। कांग्रेस ने विवादित बयानों के सवाल पर सपा से अलग राय रखी है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समाजवादी पार्टी के नेता रामजी लाल सुमन और इंद्रजीत सरोज के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, श्मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि आज देश महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से परेशान है, ये चर्चा का विषय होना चाहिए। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हम सभी धार्मिक हैं, हम अपनी आस्था का पालन करते हैं, हम सनातनी हैं। हम एकजुट हैं और अपने समाज के मूल्यों को मजबूती से कायम रखते हैं।

अमीनाबाद के मोहन मार्केट में लगी आग

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में अमीनाबाद स्थित मोहन मार्केट में सोमवार रात करीब तीन बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की लपटें और धुआं निकलता देख चौकीदार ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। इसी बीच आसपास के लोग और दुकानदार जुट गए। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर सबमर्सिबल पंप स्टार्ट कर काबू पाने का प्रयास किया। दमकल की चार गाड़ियों से करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। हजरतगंज फायर स्टेशन के मुताबिक आग की सूचना पर दमकल कर्मी दो गाड़ियां लेकर मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी देश में टाप पर

हमारी मंशा हर गांव में कम से कम एक यूनिट लगे : केशव प्रसाद मौर्य

चर्चित राजनीति। विशेष संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, अधिकारी कर्मचारी मिलकर सभी प्रचार माध्यमों से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का प्रचार प्रसार करें। केशव प्रसाद मौर्य आज अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे।उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा में प्रकाश में आया कि ओवर आल प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश, देश में टाप पर है।उन्होने निर्देश दिए कि खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाय। कहा कि हमारी मंशा हर गांव में कम से कम एक यूनिट लगे। उन्होने जोर देते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों से स्वयं सहायता समूहों को अधिक से अधिक जोड़ा जाय। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स परशन की कार्यशाला आयोजित की जाय।इन्क्यूबेशन सेन्टरों को चालू करने की कार्यवाही सर्वोच्च प्राथमिकता पर की जाय।

इन्क्यूबेशन सेन्टरों का लाभ समूहों व लोगों को हर हाल मेंदिलाया जाए। पीएमएफएमई योजना के प्रत्येक जिले के 10 लाभार्थियों से बात करके फीड बैक लिया जाए। पायलट प्रोजेक्ट के रूप मेंलखनऊ के सभी ब्लॉकों में पी एम एफ एम ई योजना के बारे में ट्रेनिंग करायी जाय। प्रत्येक शुक्रवार को प्रत्येक विकासखण्ड के दो गांव पंचायतो में हो रही ग्राम चौपालो में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के बारे में ग्रामीणो को विस्तार से जानकारी दी जाय।योजना को और अधिक ढंग से चलाने के लिए मुख्यालय पर काल सेन्टर की स्थापना की जाय।चालू वित्तीय की कार्य-योजना बनाते हुए लक्ष्य निर्धारित किये जाय।लक्ष्य पूर्ण करने के लिए समय सीमा निर्धारित की जाय।समीक्षा बैठक में बताया गया कि पीएमएफएमई योजना में उत्तर प्रदेश का स्ट्राइक रेट 99 प्रतिशत है, जबकि आल इण्डिया 56 प्रतिशत है अर्थात जिनका ऋण स्वीकृत हुआ उसका अनुदान वितरण तत्काल हुआ है। यूपी पीएमएफएमई योजनान्तर्गत 101 दिन के समय में ऋण स्वीकृति होने पर प्रथम स्थान पर है एवं बिहार दूसरे स्थान पर 110 दिन में और तेलंगाना में ऋण स्वीकृति में 190 दिन लगता है।ऋण वितरण में उत्तर प्रदेश 14 प्रतिशत बढोत्तरी दिया है। उत्तर प्रदेश द्वारा देश में सबसे अच्छा कार्य किया है।बजट व्यय करने में पिछले वर्ष के सापेक्ष वर्ष 2024-2025 में धनराशि रूपया 250 करोड़ ज्यादा बजट व्यय किया गया है एवं वर्ष 2025-26 में बजट में 56 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में धनराशि रूपया 300 करोड़ की बढोत्तरी हुई है।बैठक में राज्य मंत्री ग्राम्य विकास विभाग विजय लक्ष्मी गौतम, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास विभाग हिमांशु कुमार ,प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं रेशम विभाग बी एल मीणा, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जीएस प्रियदर्शी, यूपी आरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के निदेशक ईशम सिंह ,निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग विजय बहादुर द्विवेदी, ग्राम्य विकास संस्थान के प्र अपर निदेशक बीडी चौधरी, संयुक्त मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जन्मेजय शुक्ला, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते-करते खुद 'पंक्चर' हुई कांग्रेस, केशव प्रसाद मौर्य ने किया कटाक्ष : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने द्वारा दशकों तक की गई मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति के चलते दयनीय हाल में पहुंच गई। केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कटाक्ष करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राजनीति का इतिहास 'गवाह' है कि दशकों तक मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते-करते कांग्रेस खुद परास्त हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''इस कड़वी सच्चाई के बावजूद वह (कांग्रेस) अभी भी जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। सच यह भी है कि क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों पर घिसटने के अलावा उसके सामने कोई दूसरा रास्ता ही नहीं है।'' उपमुख्यमंत्री मौर्य ने आगे कहा, ''इस सबके बावजूद उसमें अकड़ ऐसी है जैसे देश का भार उसी पर हो। विपक्ष में होने के बावजूद उसका व्यवहार सत्ता पक्ष जैसा है। लोकतंत्र के बजाय गांधी परिवार की छाया में 'राजशाही' में यकीन करने वाली कांग्रेस को संविधान की कभी फिक्र नहीं रही है।'' साथ ही कहा कि कांग्रेस के इतिहास में बस एक फर्क यह आया है कि अब वह गांधी जी के 'खादी' को तिलांजलि देकर 'टी-शर्ट' पर आ गई है।

मौर्य ने कहा, ''इसका प्रभाव भी जनता पर बेअसर है क्योंकि पांच दफा सांसद बनने के बाद भी श्री राहुल गांधी का मतलब ही 'नामुमकिन' है। दूसरी तरफयशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मतलब ही 'मुमकिन' है। उनके नेतृत्व में भाजपा देश की 'पिक्चर' बदल रही है, जबकि कांग्रेस केवल मुस्लिम समाज को 'पंक्चर' वाला ही देखना चाहती है।''

लोक कलाओं को संरक्षित करने के लिये 'सृजन' कार्यशालाओं का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- कार्यशालाओं का उद्देश्य प्रदेश की पारंपरिक, विलुप्तप्राय और लोक संस्कृति से जुड़ी कलाओं को पुनर्जीवित करना तथा युवाओं में रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करना है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग) द्वारा प्रदेश में व्यापक स्तर पर ग्रीष्मकालीन 'सृजन' कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य प्रदेश की पारंपरिक, विलुप्तप्राय और लोक संस्कृति से जुड़ी कलाओं को पुनर्जीवित करना तथा युवाओं में रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करना है।

बुंदेली चितेरी लोककला, देढ़िया नृत्य, मूंज गेंहू की डंठल से बनी चित्रकारी जैसी अनेक विधाओं की कार्यशालाएं पूरे प्रदेश भर में 15 से 25 अप्रैल तक आयोजित की जा रही हैं। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशालाओं के प्रथम चरण की शुरुआत 'बिजनौर, बाराबंकी' और 'संतकबीरनगर' से की गई है। बिजनौर में वर्धमान कॉलेज परिसर में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला में छात्र-छात्राओं, नवोदित चित्रकारों एवं कला में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को पारंपरिक एवं आधुनिक चित्रकला की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।इसी प्रकार बाराबंकी में पी.एम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के सहयोग से 15 से 25 अप्रैल तक अवधी लोकगीतों पर आधारित कार्यशाला आयोजित हो रही है।

इंडो-डच सेंटर आफएक्सीलेंस से सब्जी व फूलों की खेती में आयेगा क्रांतिकारी बदलाव

- किसानों की समृद्धि में सहायक होगा एक्सीलेंस उद्यान विभाग बाराबंकी में करेगा इंडो-डच प्रोजेक्ट की स्थापना
- नीदरलैंड टच के एक्सपर्ट जोप वैन बालेंन ने बैठक में डच टेक्नोलॉजी के पहलुओं की जानकारी दी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यान विभाग के प्रयासों से किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

उद्यान विभाग के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। उद्यान विभाग बाराबंकी में इंडो-डच प्रोजेक्ट की स्थापना करने जा रहा है। यह उत्तर प्रदेश में नीदरलैंड टच के सहयोग से स्थापित होने वाला पहला सेंटर आफ एक्सीलेंस होगा।उत्तर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इंडो-डच प्रोजेक्ट की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। यह महत्वाकांक्षी परियोजना बाराबंकी के त्रिवेदीगंज क्षेत्र के गांव सोनिकपुर में प्रस्तावित है, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि बाराबंकी में सात हेक्टेयर भूमि में इंडो-डच तकनीक से सब्जी और फूलों का सेंटर ऑफएक्सीलेंस स्थापित होने जा रहा है। यह सेंटर ऑफएक्सीलेंस उद्यान के क्षेत्र में राज्य के किसानों को समृद्धि की ओर ले जाने में बड़ा सहायक होगा। उन्होंने बताया कि यह उत्तर प्रदेश में टच के सहयोग से स्थापित होने वाला पहला प्रोजेक्ट होगा, जो किसानों को वैश्विक स्तर की तकनीक प्रदान करेगा और उनकी आमदनी में गुणात्मक वृद्धि करेगा।उन्होंने परियोजना की सराहना करते हुए इसे शीघ्र ही भूमि पर क्रियान्वित करने की बात कही। नीदरलैंड टच के एक्सपर्ट जोप वैन बालेन और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में इस सहयोग को और सशक्त बनाने की बात कही। यह सब्जी और फूलों की खेती का इंडो डच सेंटर आफ एक्सीलेंस सुल्तानपुर हाईवे पर स्थित होगा, जिससे रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, लखनऊ सहित पूरे प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। नीदरलैंड टच के एक्सपर्ट जोप वैन बालेंन ने बैठक में डच टेक्नोलॉजी के पहलुओं की जानकारी दी। प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर मिट्टी, पानी, जलवायु तथा निर्यात का अध्ययन कर लिया है। इस प्रोजेक्ट से हाई-वॉल्यूम क्रॉप्स जैसे टमाटर, कलर्ड शिमला मिर्च, खीरा एवं विविध फूलों की उन्नत खेती की जा सकेगी, आधुनिक सब्जी नर्सरी की स्थापना की जा सकेगी व किसानों को प्रायोगिक स्तर पर डेमोंस्ट्रेशन एवं प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। बैठक में संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. राजीव वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी बाराबंकी सहित वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

लोक निर्माण राज्य मंत्री ने समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को किया निर्देशित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने का दिया निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने आज यहाँ लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित तथागत सभागार में क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक कर विभागीय अधिकारियों से अब तक स्वीकृत कार्यों के अनुबंध की अद्यतन स्थिति, गुणवत्ता नियंत्रण हेतु विभिन्न स्तर पर चेकिंग की स्थिति, वर्ष 2025-26 हेतु अब तक स्वीकृत नवीनीकरण, विशेष मरम्मत एवं चीनी मिल के कार्यों को माह जून तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य के सापेक्ष रोड मैप, प्रदेश के ग्रामीण मार्गों को अन्य जिला मार्ग श्रेणी में और अन्य जिला मार्गों को प्रमुख जिला मार्ग की श्रेणी में उच्चीकरण किए जाने की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लोक निर्माण राज्य मंत्री ने समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को आगामी 30 अप्रैल तक तैयार कर लिया जाए।

सड़कों पर गाड़ियों के बढ़ते दबाव को देखते हुए समस्त ग्रामीण मार्गों को कम से कम साढ़े पाँच मीटर चौड़ा किए जाने की योजना विचार किया जाए। लोक निर्माण राज्य मंत्री ने इस अवसर पर चालू कार्यों की समीक्षा की और कार्यों पर अवमुक्त धनराशि के

सापेक्ष व्यय की जानकारी ली और निर्देश दिया कि कार्य की प्रगति और अधिक बढ़ायी जाय, जिससे चालू कार्यों को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण किया जा सके और आम जनमानस को उसका तत्काल लाभ मिल सके। निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के संबंध में निर्देश दिया कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराएँ, इसके लिये नियमित मॉनिटरिंग करें। बृजेश सिंह ने निर्देश दिया कि अनुबंध में दिए गए माइलस्टोन के अनुसार प्रगति सुनिश्चित कराएँ, यदि माइलस्टोन के अनुसार प्रगति नहीं हो रही है तो सम्बंधित कांट्रैक्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करें, इसके साथ ही संबंधित अधिकारी की लापरवाही पाए जाने पर उसकी भी जवाबदेही तय की जाय।

निर्माणाधीन कार्यों की उच्च अधिकारी नियमित समीक्षा करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान ने राज्य मंत्री के समक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने लोक निर्माण राज्य मंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

सचिवालय समेत पूरे राज्य में कर्मचारियों का प्रमोशन रुका

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- इंतजार में ऊबे कर्मचारी, एसीआर लटकने से प्रमोशन भी लटका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सचिवालय समेत पूरे राज्य में सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन की राह में बड़ी अड़चन खड़ी हो गई है। सचिवालय के 200 से अधिक कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट एसीआर लटकने के कारण उनका प्रमोशन अधर में है। पिछले साल की एसीआर अब तक पूर्ण रूप से स्वीकृत नहीं हो पाई है, वहीं इस साल की एसीआर भरने का कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिया गया है। इससे कर्मचारियों में भारी असंतोष है।

किसी कर्मचारी के प्रमोशन के लिए उसकी पिछली पांच वर्षों कीएसीआर का मूल्यांकन अनिवार्य होता है। बीते वर्ष एसीआर भरने की प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूरी की जानी थी, जिसके अंतर्गत कर्मचारियों को पहले स्वमूल्यांकन भरना था, जिसे समयबद्ध तरीके से उच्च अधिकारियों द्वारा स्वीकृत किया जाना था।सरकार की ओर से यह निर्देश जारी किया गया था कि अगर निर्धारित समयसीमा के भीतर किसी अधिकारी ने स्वीकृति नहीं दी, तो आवेदन ऑटो फॉरवर्ड हो जाएगा यानि स्वचालित रूप से अगली प्रक्रिया के लिए आगे बढ़ जाएगा। लेकिन यह व्यवस्था सिर्फकागजों तक ही सीमित रह गई। न तो अधिकारियों ने समय पर स्वीकृति दी और न ही आवेदन ऑटो फॉरवर्ड हुए।जब परेशान कर्मचारी इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र पहुंचे, तो यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि ऑटो फॉरवर्डिंग के लिए एनआईसी को तकनीकी निर्देश ही प्राप्त नहीं हुए थे।

उचित दर दुकानों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ेगी योगी सरकार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- अब कोटेदार बदलेगा दुकान नहीं, सरकार करा रही अत्याधुनिक अन्नपूर्णा भवन का निर्माण

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में खाद्यान्न आपूर्ति को बेहतर बनाने और भंडारण को सुरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माणकार्य प्रगति पर है। भवनों का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली को स्थायी और प्रभावी बनाना है, जिससे कोटेदार के बदलने पर भी राशन दुकानों की स्थिरता बनी रहे।

अन्नपूर्णा भवन योजना के तहत प्रदेश में अबतक 3,534 नई उचित दर की दुकानों अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण पूरा कर लिया है और 2000 से भवन निर्माणाधीन है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।योगी सरकार का उद्देश्य इन भवनों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बहुउद्देश्यीय केंद्र के रूप में विकसित करना है। यहां की सुविधाएं लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में सहायक होंगी। मनरेगा के तहत इन भवनों का निर्माण किया जा रहा है। ये भवन न केवल खाद्यान्न भंडारण के लिए उपयोगी होंगी बल्कि उचित दर की दुकानों के संचालन में सहायक होंगी। ग्राम पंचायतों में सरकारी जमीन पर बनाए जा रहे इन अन्नपूर्णा भवनों में एक हॉल, प्रतीक्षालय, और जनसेवा केंद्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 से अन्नपूर्णा भवनों की संख्या बढ़ाने के लिए मनरेगा के अतिरिक्त विभागीय बजट से धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। योगी सरकार ने बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।अन्नपूर्णा भवनों का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खाद्यान्न आपूर्ति की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। पहले उचित दर की दुकानें अक्सर संकरी गलियों में स्थित होती थीं, जिससे खाद्यान्न आपूर्ति वाहन और ग्राहकों को कठिनाई होती थी। अब इन भवनों के विकसित होने से खाद्यान्न वाहन और आम जनता की पहुंच सुगम हो गई है।

अन्नपूर्णा भवन न केवल खाद्यान्न आपूर्ति का केंद्र होगा, बल्कि यहां अन्य जनसुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।भवन में स्टोर के लिए दो अलग-अलग कक्ष बनाए जा रहे हैं। एक कक्ष में सरकारी राशन का भंडारण होगा, जबकि दूसरे कक्ष में कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी संचालित किया जाएगा। इस केंद्र से जन्म, मृत्यु, आय और जाति प्रमाणपत्र जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, भवनों में जनरल स्टोर और कम्युनिटी सर्विस सेंटर का संचालन किया जाएगा। यहां बिजली बिल भुगतान, ब्रॉडबैंड सेवा, सस्ती जेनरिक दवाएं, और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की बिक्री की सुविधा होगी। यह व्यवस्था लोगों के जीवन को सरल बनाने के साथ सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करेगी।अन्नपूर्णा भवनों में अत्याधुनिक सुविधाओं का समावेश किया जा रहा है।

दो लोगों ने फांसी लगाकर जान दी पुलिस कर रही जांच

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में ठाकुरगंज इलाके में एक युवक ने मंगलवार को घर की दूसरी मंजिल पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, दूसरी तरफ मानक नगर में एक महिला ने घर में सीढ़ी के नीचे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि दोनों केस में सुसाइड नोट नहीं मिला है। भूहर निवासी शिवम मौर्या (22) का मंगलवार को शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पिता मनोज मौर्या ने बताया कि सोमवार को पत्नी और बड़े बेटे के साथ एक वैवाहिक समारोह में गए थे। मंगलवार को घर लौटने पर दरवाजा नहीं खुला।इसके बाद गेट का ताला तोड़कर सीढ़ियों से मकान के दूसरी मंजिल गए। जहां कमरे में शिवम का शव पंखे के हुक में रस्सी के सहारे लटका था। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मानक नगर रामप्रसाद खेड़ा निवासी अनीता चौहान (54) का शव मंगलवार को घर में मिला।

ढाई लाख की शराब, सिगरेट चोरी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- चार दुकानों के शटर, कुंडी तोड़े

लखनऊ। सरोजनी नगर में करीब ढाई लाख रुपए की शराब-सिगरेट चोरी हो गई। अंग्रेजी शराब के ठेके के साथ चार और दुकानों से सामान और नकद रुपए चोरी हुए हैं। इलेक्ट्रिकल दुकान का शटर तोड़कर 40 हजार रुपए की नकदी चुराई।

परचून की दुकान के गल्ले से 70 हजार रुपए नकद, साइबर कैफसे टीवी और 25 हजार रुपए नकद चोरी हुए। इन सभी चोरियों की जानकारी सुबह हुई। दुकान मालिकों की सूचना पर पुलिस पहुंची। सीसीटीवी फुटेज से जांच-पड़ताल की जा रही है। घटना हाइडिल-अमौसी रेलवे स्टेशन रोड पर हनुमान पुरी स्थित सिद्धि विनायक इलेक्ट्रिकल की है। दुकान के मालिक विनय राजपूत ने बताया कि सोमवार रात 9.30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे विनय की मां विमला जब दुकान की तरफ टहलने निकलीं, तो उन्होंने दुकान का शटर टूटा हुआ पाया। उन्होंने तुरंत विनय को सूचित किया। जब विनय दुकान पहुंचे तो देखा कि गल्ला टूटा हुआ था और उसमें रखे 40 हजार रुपए गायब थे। उन्होंने तत्काल सरोजनी नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर चोरों का पता लगाने में जुटी है। कृष्णा नगर के सिंधु नगर निवासी सरदार करमजीत सिंह की नादरगंज -अमौसी रेलवे स्टेशन रोड पर गिंदन खेड़ा के पास अंग्रेजी शराब की दुकान है। दुकान पर करमजीत का साला गगनदीप सेल्समैन है। सोमवार को अंबेडकर जयंती की वजह से दुकान बंद थी। सेल्समेन गगनदीप रविवार रात 10 बजे दुकान बंद कर घर चला गया। मंगलवार सुबह दुकान के बाहर बोर्ड पर लिखे नंबर पर किसी ने शटर टूटा होने की सूचना दी। यह सूचना आबकारी विभाग को मिली। आबकारी विभाग के राहुल सिंह को सूचना मिली तो उन्होंने करमजीत सिंह को बताया। करमजीत सिंह अपने साले सेल्समैन गगनदीप के साथ मौके पर पहुंचे तो शटर टूटा होने के साथ गल्ले में रखे करीब 70 हजार रुपए और लगभग ढाई लाख रुपए कीमत की अंग्रेजी शराब की बोतलें गायब मिली। चोर यहां से दुकान के बाहर लगा सीसीटीवी कैमरा भी चुरा ले गए। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। इसी तरह अनौरा गांव के अनुज यादव की अमौसी रेलवे स्टेशन-मौदा रोड पर टीएसएम हॉस्पिटल के पास परचून दुकान और कैफे दोनों अगल-बगल हैं। अनुज रोज की तरह सोमवार देर शाम दुकान बंद कर चले गए। मंगलवार सुबह जब दुकान पर पहुंचे तो दोनों दुकानों के कुंडे कटे होने के साथ ही उनके दरवाजे खुले मिले। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

अनुज का कहना है कि चोर यहां से गल्ले में रखे सिक्कों सहित करीब 25 हजार रुपए की नगदी और एलईडी टीवी सहित लगभग 70 हजार रुपए का सामान उठा ले गए हैं। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो सीसीटीवी में तीन युवक चोरी करते साफ नजर आए। बताते हैं कि इलेक्ट्रिकल दुकान, अंग्रेजी शराब दुकान और परचून व कैफे की इन दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे में तीनों जगह यही युवक दिखाई पड़ रहे हैं।

लोकबंधु अस्पताल में लगी आग की होगी जांच

लखनऊ, चसं। लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में आग लगने की घटना की जांच के निर्देश जारी हुए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रमुख सचिव की ओर से जांच हेतु पत्र जारी किया गया है। डिप्टी सीएम का कहना है कि इस प्रकरण में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसे लेकर भी जांच कमेटी अपने सुझाव प्रस्तुत करेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि सोमवार रात लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में लगी आग के मद्देनजर पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया है। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को दिए गए निर्देश के क्रम में यह जांच कमेटी आग लगने के प्राथमिक कारण, किसी भी प्रकार की लापरवाही या दोष की पहचान (यदि कोई हो तो) एवं भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं के बचाव हेतु प्रभावी कदम उठाए जाने संबंधित अपनी रिपोर्ट 15 दिवस में उपलब्ध कराएगी।

हे ज्ञानी! अपना धन केवल योग्य को दें और दूसरों को कभी नहीं। मेघों द्वारा प्राप्त समुद्र का जल सदैव मीठा होता है, किसी व्यक्ति की सहनशीलता को ध्यान में रखते हुए, उसे परेशान न करें, शक्तिशाली दिमाग को कोई नहीं हरा सकता : आचार्य चाणक्य

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफमामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफसमय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफकार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफसे मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चौन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए।

भारत की टैरिफ कूटनीति के लाभ

चूंकि अब दुनिया में नए डिजिटल दौर की नई संपत्तियों से विकास की मंजिलें तय होंगी, अतएव ऐसी सबसे कीमती संपत्तियों के विकास पर भारत को ध्यान देना होगा। अब भारत में भारी पूंजी वाले उद्योगों को सबसिडी देने के बजाय शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश किया जाना अधिक लाभप्रद होगा। भारत को सेवा क्षेत्र की नई चमकीली राजधानी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना होगा। साथ ही भारत को अधिक डिजिटल महारत हासिल करने पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से ऐसी नई आर्थिक और द्विपक्षीय वैश्विक व्यापार रणनीति से भारत नई व्यापार दुनिया के आकाश में एक चमकते हुए आर्थिक और प्रभावी सितारे के रूप में दिखाई दे सकेगा।

यकीनन इस समय टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति और अमेरिका के लिए शुल्कों में कमी की रणनीति रंग लाते हुए दिखाई दे रही है। 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की टैरिफ कूटनीति के लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जहां अमेरिका के द्वारा चीन पर 145 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लागू कर दिया गया है, वहीं अमेरिका पर जवाबी टैरिफ नहीं लगाने वाले भारत सहित सभी देशों के लिए 90 दिनों तक टैरिफ के अमल को स्थगित कर दिया है। ट्रंप के इस निर्णय के बाद चीन ने अमेरिका पर 125 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। ट्रंप के इस ऐलान के बाद भारतीय निर्यात पर मंडरा रही अनिश्चितता फिलहाल रुक गई है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत को अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। ट्रंप का टैरिफ वियतनाम पर 46 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत तथा थाइलैंड पर 36 प्रतिशत सुनिश्चित किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो करीब 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। जहां अमेरिका के द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ दूसरे कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम होने से अमेरिका सहित दुनिया में भारत के निर्यात बढने की संभावना है। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूंकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़ कर सबसे कम है, ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। टैरिफ की चुनौतियों के बीच भी भारत की विकास दर बढने की संभावनाएं हैं। हाल ही में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ चुनौतियों के बीच भी चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी और यह स्थिति अर्थव्यवस्था के मजबूत और स्थिर विस्तार का संकेत देती है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी रहेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका के द्वारा चीन पर लागू किए गए 145 फीसदी टैरिफ से शुरू हुए अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुट्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे। हम उम्मीद करें कि सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी। **:: एजेंसी**

लोकसभा परिसीमनः लोकतंत्र की मजबूती या क्षेत्रीय तनाव

भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने-नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी। इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं।

आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसद हैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है। मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे। यदि यह फायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी।

भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है। परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये। पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं। दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है। कई बार विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा या जनता की राय लिए जल्दबाजी में पारित कर दिया जाता है, जिससे अपर्याप्त या दोषपूर्ण कानून बनते हैं। विधायिका के भीतर मंत्री परिषद की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तंत्र की कमी है। लोकसभा सीटों का परिसीमन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने की संभावना के साथ-साथ क्षेत्रीय असंतुलन और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ जैसे जोखिम भी जुड़े हैं। अधिक सांसदों से स्थानीय मुद्दों पर ध्यान बढ़ सकता है, लेकिन संसद की कार्यक्षमता, क्षेत्रीय तनाव और वित्तीय लागत जैसे नुकसान इसे विवादास्पद बनाते हैं। वर्तमान संसदीय व्यवस्था में व्याप्त कमियों- जैसे सत्रों की कमी, हंगामा, अपर्याप्त बहस और जवाबदेही के अभाव को देखते हुए केवल सीटों की संख्या बढ़ाना समाधान नहीं है। भारत की विविधता और सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए, परिसीमन से पहले व्यापक सहमति, पारदर्शी जनगणना, और संसदीय सुधारों पर जोर देना जरूरी है। इसके बजाय, संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में करना अधिक लाभकारी होगा। आज भारत को केवल एक विशाल संसद की नहीं, अपितु सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आवश्यकता है। हमें गांधीजी के लोकतांत्रिक आदर्शों को हृदयंगम करना होगा, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को मिटाया जा सके। **:: एजेंसी**

दफ्तर जाने की तैयारी

दफ्तर जाने के लिए मुझे बहुत सी तैयारियां करनी पड़ती हैं। आखिर दफ्तर जो जा रहा हूं। दफ्तर जाने का मतलब यह तो है नहीं कि साबुन से नहाओ भी मत या रोजाना शेव भी मत बनाओ। दफ्तर में मेरे कई साथी हैं। वे इसे वेस्टेज मानते हैं। उनका तर्क यह है कि दफ्तर कोई निजी कार्य या सगे सम्बन्धी का काम तो है नहीं, जो रोज एक रुपया का ब्लेड खराब करो, साबुन खराब करो, चेहरे को

चमकाने के लिए क्रीम लगाओ, बाल काले करो अथवा मूंछों की करीने से कटाई-छंटाई करो। जबकि मेरा मानना है कि दफ्तर से वेतन मिलता है, घर चलता है और वहां महिलाएं काम करती हैं, इसलिए थोड़ा शऊर से ही जाना चाहिए। कपड़े इस्त्री करे हुए पहनता हूं, यहां तक कि कपड़ों के फैशन का भी मैं पूरा ख्याल रखता हूं।

मेरे साथी कहते हैं-'भाई शर्मा, क्या तुम्हें कोई एक्स्ट्रा इन्क्रीमैंट मिलेगा क्या, जो इतने सज-धज कर आते हो। कभी गणतंत्र दिवस या स्वाधीनता दिवस पर भी अभी तक तो सम्मानित नहीं किए गए। क्यों बेकार में धन का अपव्यय और समय जाया करते हो। इससे बढि?ा तो कोई पार्ट टाइम करते तो समय का सदुपयोग हो।' मैं कहता हूं-'यारो, क्या मुंह उठाकर सीधे बिस्तर से निकल कर कुर्सी पर आ बैठते हो। कभी मिसेज मलकानी के बारे में भी सोचा है, जो आप लोगों से बात करना तो दूर, पल भर को नजर भरकर भी आप लोगों को देखती तक नहीं। एक मैं हूं जिससे वह घंटों हंस-हंसकर बतियाती हैं।' 'ओह तो शर्मा यह सब मिसेज मलकानी के लिए कर रहे हो। भाभी जी को पता चल गया न तो वे तुम्हारी यह सारी सजावट को तेल लेने भेज देंगी। घर में माथाफोड़ी करते हो और दफ्तर में मिसेज मलकानी को अपनी बत्तीसी दिखाते हो। हम मलेच्छों को देखो जो पांच पैसे अपने ऊपर इस दफ्तर के लिए खर्च नहीं करते और शाम को रिश्वत के तीन सौ रुपए और मार ले जाते हैं। मिसेज मलकानी के हंसकर बोल लेने से तो गृहस्थी की गाड़ी आराम से चलती नहीं। पैसा हो तो भैया हर समस्या का समाधान है। तुम हर छह महीने में पी.पी.एफ. से लोन लेकर अपना घर खर्च चलाते हो और बचत के नाम पर तुम्हारे पास बचती होगी कोई एक फूटी कौड़ी।' एक साथी बोला। मैंने कहा-'ईमान, धर्म और सिद्धांत भी तो जीवन में कोई मायने रखते हैं। साफ-सुथरे ढंग और सलीके से दफ्तर आना मैं गलत नहीं मानता। किसी का काम न करना और करना तो रिश्वत खाकर, यह मेरी समझ से परे है।' दूसरा साथी बोला-'तुम्हें तो पता है हम अपने बुरे आचरण के बावजूद दो-दो बार सम्मानित हो चुके हैं। उफ! तुम्हारी यह ईमानदारी कहीं तुम्हारी जान ही न ले ले। पहले तो अपने पर शऊर से आने का जो इन्वेस्टमैंट कर रहे हो, उसे बंद करो ताकि रिश्वत न सही, हजार-दो हजार की यह बदखर्ची तो बचे। रही बात मलकानी की, तो भैया उसे कैंटीन में डोसा तुम्हीं खिलाते हो, वह तो कभी पेमेंट नहीं करती। इसलिए दफ्तर जाने के बारे में घर में ही सोचना शुरू कर दोगे तो फायदे का सौदा है। उम्रदराज हो गए, चेहरा सारी असलियत बता रहा है तो क्यों यथार्थ से कतराते हो?' 'इसका मतलब दफ्तर जाने के लिए मैं दाढ़ी से भरा चेहरा, रूखे बाल और टाटम्बरी कोट पहनकर आऊं। पांवों में हवाई चप्पल और छकड़ा साइकिल लेकर मैं दफ्तर जाऊं। पैट्रोल महंगा हो गया तो इसका मतलब स्कूटर को घर छोड़ दूं। जूतों पर पॉलिश भी नहीं करूं।' मेरे ऐसा कहते ही वे मंद-मंद मुस्कराने लगे।

डिजिटल युग तक हिमाचल प्रदेश का उत्कर्ष

हिमाचल प्रदेश, जिसे श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण 'देवभूमि' कहा जाता है, ने 15 अप्रैल 1948 को एक नवजीवन का संकल्प लिया था। इसी दिन यह प्रदेश एक चीफ कमिश्नर प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया। विगत सात दशकों से अधिक की इस विकास यात्रा में हिमाचल ने अनेक सामाजिक, भौगोलिक और राजनीतिक चुनौतियों को पार कर देश के प्रगतिशील राज्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई है।

आज, 2025 में, यह न केवल अपनी अनुपम प्राकृतिक छटा के लिए विख्यात है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और सतत विकास के क्षेत्रों में भी अग्रणी राज्य के रूप में उभर चुका है। 1948 में यह प्रदेश 30 से अधिक बिखरी हुई पहाड़ी रियासतों का समूह था। उस समय साक्षरता दर मात्र 8.6 फीसदी थी और स्वास्थ्य तथा यातायात सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं। किंतु परिवर्तन की यह प्रक्रिया सतत और उद्देश्यपूर्ण रही। 2021 की जनगणना के अनुसार हिमाचल की साक्षरता दर 83.7 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। प्रदेश में वर्तमान में 17 विश्वविद्यालय, 130 कॉलेज तथा 12 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जो ज्ञान के क्षेत्र में राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन दृष्टिगोचर होते हैं। जहां 1948 में गिने-चुने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थे, वहीं आज प्रदेश में 60 से अधिक सरकारी अस्पताल, 500 से अधिक पीएचसी, मेडिकल कॉलेज और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्तर की संस्थाएं

पर्यटन, बागवानी, कृषि आधारित उद्योग और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त कौशल विकास कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक ले जाकर युवाओं को नौकरी के लिए तैयार किया जाना जरूरी है। डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देकर भी नए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं।

निर्माणाधीन हैं। शिशु मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। 1990 में यह 60 प्रति हजार थी, जो अब घटकर लगभग 19 रह गई है। सड़क नेटवर्क की बात करें तो स्वतंत्रता के समय केवल 288 किलोमीटर लंबी सड़कें थीं। आज यह आंकड़ा 39000 किलोमीटर को पार कर चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रमों ने दुर्गम क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमाचल प्रदेश की इस प्रगति यात्रा में विभिन्न मुख्यमंत्रियों का योगदान अद्वितीय रहा है। डा. यशवंत सिंह परमार को आधुनिक हिमाचल का शिल्पकार माना जाता है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने राज्य को स्थायित्व की राह दिखाई। स्व. वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी ढांचे को बल मिला। प्रेम कुमार धूमल ने सूचना प्रौद्योगिकी और सड़क निर्माण को गति दी। जयराम ठाकुर ने डिजिटल हिमाचल का स्वप्न साकार करने हेतु प्रयास किए, वहीं वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार व्यवस्था परिवर्तन के तहत हरित ऊर्जा, ई-वाहन और युवाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। राज्य की प्रगति में केंद्र सरकार की पंचवर्षीय योजनाओं, विशेष पर्वतीय सहायता कार्यक्रमों और तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरु और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं के दूरदर्शी सहयोग का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। हाइड्रो पावर परियोजनाएं, पर्यटन विस्तार और औद्योगिकीकरण ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नया बल प्रदान किया है। भौगोलिक दृष्टि से हिमाचल एक विविधतापूर्ण राज्य है, जिसकी ऊंचाई 350 मीटर से लेकर 6975 मीटर तक फैली हुई है। यहां 37000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले वनों का अस्तित्व है, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग 66 फीसदी है। सतलुज, ब्यास, रावी और यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां यहां प्रवाहित होती हैं, जिन पर राज्य की लगभग 90 फीसदी ग्रामीण जनसंख्या निर्भर है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अभी भी उन्नयन की आवश्यकता है। दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रति सतत एवं दीर्घकालिक रणनीतियां विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। पर्यटन क्षेत्र को पर्यावरण-संवेदनशील दृष्टिकोण से विकसित करना और जल, जंगल, जमीन के संतुलन को बनाए रखना आगामी समय की चुनौती है। वर्तमान सुक्खू सरकार को वित्तीय संकट और बेरोजगारी जैसे दोहरे दबाव का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की आय सीमित है जबकि खर्चों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार को सबसे पहले अपने खर्चों की प्राथमिकता तय करनी चाहिए और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी चाहिए। इसके साथ ही, टैक्स संग्रह प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाकर राज्य की आमदनी बढ़ाई जा सकती है। रोजगार की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार को स्थानीय संसाधनों और कौशल पर आधारित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी-व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभः- मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुनः- आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्कः- शरीर और मन में बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंहः- आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्याः- नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफसे लाभ होगा।

तुलाः- लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिकः- आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु : बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

मकरः- आज से आपके व्यापार-धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा।

कुम्भः- आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीनः- शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद-विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

राशि रत्न

आदर्श ग्राम पंचायत बांसा को मिला मुख्यमंत्री पुरस्कार

हरदोई, चसं। राजा नरपति सिंह स्मारक पर रुइया गढ़ी पर उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदर्श ग्राम पंचायत बांसा को सीएम अवार्ड देकर व 3500000 रुपया की चेक देकर सम्मानित किया। बताते चलें,अक्टूबर माह में सीएम अवार्ड के लिए ब्लॉक स्तर से ऑन लाइन आवेदन होता है जिसमें जिले की 238 ग्राम पंचायतो ने सीएम अवार्ड के लिए आवेदन किया था। हर जनपद से 5 ग्राम पंचायतो को अवॉर्ड मिलना होता है, जिसमें 100 अंकों की कठिन परीक्षा होती है जिसमें पहले चरण में ब्लॉक कमेटी जांच करके जिला स्तर पर फॉरवर्ड करती है उसके बाद जनपद स्तरीय जांच कमेटी गठित की जाती है जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी जांच करके जिलाधिकारी को अनुमोदन के लिए देते हैं। जिला अधिकारी निदेशालय पंचायती राज को फॉरवर्ड करते हैं। निदेशालय से ग्राम पंचायत बांसा को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उक्त राशि से गांव के लिए 1 बरात घर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा, ओपन जिम ,वाई फाई ग्राम पंचायत का सुन्दरी कारण जनता से खुली बैठक में राय लेकर आदि कराया जाएगा।

30 साल के रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के बाद भी भवन स्वामी ने भवन में डाला ताला, दलित चौकीदार से की मारपीट

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शाहाबाद/ हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सफीपुर में स्थित भवन का 30 वर्ष के लिए एक स्कूल के नाम रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के बाद भी भवन स्वामी ने अपने पुत्रों के वहां तैनात दलित चौकीदार के साथ अभद्रता कर मारपीट करते हुए भवन में कब्जा कर लिया।स्कूल के प्रबंधक ने आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली में लिखित तहरीर दी है।पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू की है।शाहजहांपुर जनपद के नवादा इंदेपुर निवासी दक्ष इंटरनेशनल स्कूल शाहाबाद के प्रबंधक प्रदीप कुमार पुत्र लालाराम के अनुसार 22 जून 2024 को राजेंद्र प्रसाद रस्तोगी पुत्र देवी दयाल रस्तोगी निवासी मोहल्ला चौक शाहाबाद ने इंटर कॉलेज संचालन हेतु गाटा संख्या 1374 स्थित ग्राम सफीपुर तहसील शाहबाद में बने भवन को 30 साल के लिए एडवांस किराए के 968500 रुपए लेकर प्रति महीना 45000 किराए का एक रजिस्टर्ड एग्रीमेंट उनके के नाम किया और जब उसने उपरोक्त प्रोजेक्ट हेतु लगभग 15 लाख का व्यय कर भवन के कमरों को क्लास चलाने लायक तैयार करवा दिया।

20 मार्च की रात में लगभग 11 बजे भवन में सेवारत चौकीदार उदन रैदास पुत्र रामसिंह रैदास निवासी नयागांव को जातिसूचक गालियां दी और धमका कर जबरदस्ती मारपीट कर एग्रीमेंटकर्ता राजेंद्र प्रसाद रस्तोगी व उनके पुत्र किशन रस्तोगी और सुपौत्र तनिष्क रस्तोगी अपने अन्य असलहाधारी साथियों के साथ चाबी छीनी एवं सभी ताले तोड़ दिए और उसे भगा दिया एवं धमकी दी कि दोबारा यहां दिखाई दिए तो गोली मार दी जाएगी।पीड़ित प्रबंधक ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाने के बाद कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है।कोतवाली पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हरदोई पहुंचे, कई कायक्रमों में हिस्सा लिया, (सम्बन्धित खबर पृष्ठ एक पर)। : चर्चित राजनीति

हाईटेंशन तार की चिंगारी से किसानों की फसल हुई राख

3 घंटे कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जनपद में मंगलवार को दोपहर में हाईटेंशन तारों की चिंगारी दो अलग अलग स्थानों पर खड़ी किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।सूचना पर प्रशासन किसानों के हुए नुकसान का आकलन कर रहा है।अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम बभनौआ पेंग में हाईटेंशन तारों की स्पार्किंग से गिरी चिंगारी ने खेत में सुखी खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया।देखते ही देखते आग ने प्रचंड रूप ले लिया।तीन घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने जैसे तैसे आग पर काबू पाया।दूसरी घटना माधौगंज क्षेत्र के ग्राम लालपुर इकसैय्या गांव में गेहूं की फसल में आग लग गई।यहां घंटों फैली आग पर किसान काबू नहीं पा पाए।सूचना पर काफी विलंब से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।लेकिन फायर ब्रिगेड विभाग की लापरवाही के प्रति किसानों में आक्रोश दिखाई दिया।किसानों के अनुसार उनकी पूरे वर्ष की कड़ी मेहनत पर आग ने पानी फेर दिया।अगर फायर ब्रिगेड की टीम समय पर पहुंचती तो शायद इतना अधिक नुकसान नहीं होता।

आग से गेहूं की फसल जलने की दोनो घटनाओं की सूचना पर प्रशासन के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों के हुए नुकसान का आकलन किया है।

डीएम की अध्यक्षता में शिक्षुता प्रोत्साहन योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शाहजहांपुर, एजेंसी। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उप्र राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (नैप्स) ध् मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना तथा पीएम इंटर्नशिप योजना के क्रियान्वय के संबंध में समीक्षा समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निजी उद्योगध्अधिष्ठान तथा एमएसएमई, जो शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान किये जाने की श्रेणी में आच्छादित हैं उनका शिक्षुता प्रशिक्षण के क्रियान्वयन से सम्बन्धित राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपायुक्त, जिला उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन केन्द्र द्वारा पंजीकृत अधिष्ठानों में शिशिक्षु रिक्तियों का अगणित कराते हुए उन्हें पोर्टल पर प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने जनपद के ऐसें अप्रेन्टिस हेतु पंजीकृत अधिष्ठान जहाँ अप्रेन्टिस प्रशिक्षण प्रारम्भ नही हुआ है, उन सम्बन्धित अधिष्ठानों में अप्रेन्टिस प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं कौशल विकास मिशन से प्रमाणित अधिकाधिक अभ्यर्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण पोर्टल पर पंजीकृत किया जाए। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3000 का लक्ष्य निर्धारित था जिसके सापेक्ष 470 अभ्यार्थियों को ही शिशिक्षु प्रशिक्षण हेतु नियोजित कराया जा सका है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 600 का लक्ष्य आवंटित किया गया हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति हेतु अधिक से अधिक अधिष्ठानों में अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को शिशिक्षु प्रशिक्षण हेतु नियोजित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीएम इंटर्नशिप योजना हेतु उपलब्ध सीटो के सापेक्ष तीन गुणा व उससे अधिक अभ्यर्थियों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत तथा प्राप्त लक्ष्य से अधिक नियुक्तियां की जाए। प्रधानाचार्य ने बताया कि युवक-युवतियों के लिए पोर्टल पर निःशुल्क पंजीकरण तथा अप्रेन्टिसशिप प्रशिक्षण की व्यवस्था है। अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 7000- प्रतिमाह मानदेय की सहायता मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

सभासद ने अंबेडकर जयंती पर कई गांवों में स्थापित मूर्तियों पर किया माल्यार्पण

शाहबाद/ हरदोई, चसं। हरदोई प्रथम से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी के प्रतिनिधि आदित्य गौतम (सभासद) ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर कमालुद्दीन सराय, दुल्हापुर, कुईया पिड़ाता,सुजनियापुर, महाम्दापुर, पल्थुआ, खनिगवा खुर्द, बिगाय सरिया, अंटवा सहित कई गावों में अपनी टीम के साथ जाकर डॉ अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये,सिर झुकाकर नमन किया।उन्होंने ग्रामवासियों को अंबेडकर जी के संघर्ष के बारे में ग्राम वासियों को बताया। आदित्य गौतम ने सभी क्षेत्रवासियों को लड्डू खिलाकर वह बच्चों को टाफियाँ और चॉकलेट खिलाकर मुंह मीठा कराया।इस अवसर पर उनके पिता रामनाथ गौतम, शकील, शाजीद अली, अनिल राठौर, राजन वर्मा, सौरभ कनौजिया, जितेंद्र, बिजेंदर गौतम,सचिन गौतम विपिन, जगत कश्यप और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वीर सावरकर पर टिप्पणी करने का मामला, राहुल गांधी के खिलाफअब 26 को होगी सुनवाई

लखनऊ, चसं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफस्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर की गई टिप्पणी के मामले में लखनऊ की एसीजेएम-3 आलोक वर्मा की कोर्ट में मंगलवार को भी सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायालय में 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती पर अवकाश होने के कारण केस की अगली तारीख अब 26 अप्रैल तय की गई है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता नृपेंद्र पांडेय के वकील ने अदालत में पेश न होने को लेकर विरोध दर्ज किया और गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लयू) जारी करने की मांग की। कोर्ट ने इस पर कोई आदेश नहीं दिया है। जज ने कहा अब 26 अप्रैल को ही सुनवाई होगी। मामला 17 दिसंबर 2022 का है जब राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के अकोला में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सावरकर को श्अंग्रेजों का नौकरश् और पेंशनधारी कहा था। राहुल गांधी के वकील हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुके हैं, जिसे 2 अप्रैल को राहत न देते हुए खारिज कर दिया गया था। अब संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की जा सकती है।

नगर निगम टीम ने मुक्त कराई 15 करोड़ की सरकारी भूमि

लखनऊ, चसं। मण्डलायुक्त लखनऊ एवं नगर निगम आयुक्त इन्द्रजीत सिंह के निर्देश पर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आज एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस अभियान के अंतर्गत अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में गठित विशेष टीम ने ग्राम नटकुर, तहसील सरोजनीनगर में नगर निगम की स्वामित्व वाली बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इसकी कीमत लगभग 15 करोड़ आंकी गई है। अभियान के दौरान ग्राम नटकुर की विभिन्न गाटा संख्याओं दृ 811मि, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 822, 823, 1013, 1014, 1015, 1024, 1027 व 1028, जिनका कुल क्षेत्रफल लगभग 1.697 हेक्टेयर है, पर से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण हटाया गया। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में बंजर, तालाब, नवीन परती व ऊसर के रूप में दर्ज है और नगर निगम की संपत्ति मानी जाती है। जानकारी के अनुसार, इन भूखंडों पर कुछ स्थानीय लोगों एवं प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा झाड़ियाँ उगाकर, अवैध रास्ते बनाकर, नींव भरकर व बाउंड्री वॉल बनाकर प्लाटिंग कार्य किया जा रहा था। इससे सरकारी भूमि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। टीम ने मौके पर पहुँचकर जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया और पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कर दिया। नगर निगम द्वारा मौके पर 08 बोर्ड लगाए गए, जिससे यह भूमि अब चिन्हित और संरक्षित रहे।

कोचिंग करने कानपुर जा रहे छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत, पिता घायल

हरदोई, चसं। कोतवाली शहर के लखनऊ रोड निवासी छात्र की कोचिंग करने कानपुर जाते समय बिलग्राम थाना क्षेत्र में डंपर की टक्कर से घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।छात्र का पिता भी गंभीर रूप से घायल हुआ है।सूचना पर पहुंची बिलग्राम पुलिस ने छात्र के पिता को 108 एंबुलेंस से सीएचसी बिलग्राम भेजकर छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है।कोतवाली शहर के लखनऊ रोड निवासी अभिषेक वर्मा के पुत्र अक्षत ने इंटरमीडिएट की परीक्षा के बाद कानपुर में कोचिंग करने का फैसला लिया।मंगलवार को उसके पिता कार से पुत्र को कानपुर कोचिंग के लिए लेकर जा रहे थे।बिलग्राम कोतवाली के ग्राम तिर्वा कुल्ही के निकट तेज रफ्तार डंपर ने उनकी कार में टक्कर मार दी।जिससे कार सवार अक्षत की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।पिता गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची बिलग्राम पुलिस ने घायल पिता को सीएचसी बिलग्राम भेजकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है।मृतक अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था उसके एक बहन है।

बाबा श्याम ने पूरी की अरदास तो दंडवत यात्रा पर निकली श्याम दीवानी कोमल शुक्ला

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। कहते हैं बाबा श्याम के दरबार में जो हार कर आता है और सच्चे मन से बाबा की अरदास लगाता है उसकी अरदास बाबा श्याम अवश्य पूरी करते हैं।

हरदोई के रेलवे गंज के श्री खाटू श्याम मंदिर में ऐसे चमत्कार अक्सर होते रहे है और बाबा श्याम के भक्तों के असंभव काम भी चुटकी में बनते नजर आए है। ऐसा ही एक चमत्कार विकास नगर महोलिया शिवपार की कोमल शुक्ला के साथ भी हुआ। दर दर भटकने के बाद भी जब कोमल की मन की आस कहीं से भी पूरी नहीं हुई तब वो हर तरफ़ से हार कर बाबा श्याम के हरदोई धाम में आई और बाबा श्याम से अपनी अरदास लगाते हुए प्रार्थना की बाबा हर तरफ़ से मैं हार चुकी हो अगर आपके दरबार में मेरी मन की अरदास पूरी हुई तो मैं आपके दरबार दंडवत आऊँगी और आपका भव्य कीर्तन करवाओगी। बाबा श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है और सारी दुनिया से हारी कोमल की अरदास बाबा श्याम ने तुरंत पूर्ण करते हुए उसकी मनो वांछित कामना पूर्ण की अपनी अरदास पूर्ण होने की खुशी में आज श्याम दीवानी बन चुकी कोमल शुक्ला ने विकास नगर महोलिया शिवपार से बाबा श्याम के मंदिर तक लेटकर दण्डवत प्रणाम यात्रा की। उनके साथ बड़ी संख्या में श्याम भक्त बाबा के जयकारे लगाते हुए साथ चलते रहे देर शाम उनके आवास पर माँ सरस्वती म्यूजिकल ग्रुप शिवांशु एंड पार्टी द्वारा भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया जिसमे सीतापुर से शिवांशु पंडित, कानपुर से कंचन त्रिवेदी, लखीमपुर से संकेत गुप्ता ने बाबा श्याम के भजनों का गुणगान करेंगे। श्री खाटू श्याम मंदिर के पुजारी पंडित रवि मिश्रा व पंडित अनिरुद्ध तिवारी ने बताया कि बाबा श्याम के दरबार में प्रतिदिन हजारों लोगो की मनोकामना पूर्ण होती है और भक्त अपनी अरदास पूर्ण होने पर अपनी अपनी तरह से बाबा को धन्यवाद अर्पित करते है इसी क्रम में अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर कोमल शर्मा ने बाबा श्याम के दरबार में दंडवत यात्रा पूरी की।

लंबित राजस्व वादों के संबध में की समीक्षा बैठक

शाहजहांपुर, एजेंसी। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील तिलहर एवं तहसील सदर के सभागार में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने पैमाइश, वरासत, अंश निर्धारण, भूमि विवाद, धारा 24, 67, चकमार्ग, तालाब, खालिहान, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, कृषक दुर्घटना सहित आदि लंबित मामलों के संबंध में एक-एक कर स्थिति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित वादों को तय समय पर निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने वरासत मामलों की समीक्षा करते हैं हुए राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों को निर्देश दिए कि अनावश्यक विलंब करने पर संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि लापरवाही करने पर संबंधित लेखपाल के विरुद्ध निलंबन के कार्रवाई की जाएगी। चक मार्गों पर अवैध कब्जे के लंबित मामलों को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर तिथि निर्धारित करते हुये चक मार्गों को बनवाना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार मेला में 22 अभ्यर्थियों का चयन

लखनऊ, चसं। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत मंगलवार को आईटीआई अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की प्रतिष्ठित 5 कंपनियों कॉन्टिनेंटल ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा, एग्लो इंडिया प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, बवल, रेवाड़ी, हरियाणा, अडानी विंड, मुंद्रा, कच्छ, गुजरात, पेटीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा एजस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस, लखनऊ ने प्रतिभाग किया।इस रोजगार मेले में विभिन्न ट्रेड के प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। एम ए खाँ ट्रेनिंग काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर ने बताया कि पांचों कंपनियों द्वारा आयोजित साक्षात्कार प्रक्रिया के उपरान्त 22 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों द्वारा 13,000 से 21,000 रूपये प्रतिमाह सीटीसी वेतन के साथ अन्य सुविधा लाभ भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

बबरौद में दंगल का रोमांचक मुकाबला, 51 हजार की कुश्ती बराबरी पर छूटी

आगरा, एजेंसी। अछनेरा के गांव बबरौद में स्थित प्रसिद्ध देवी मंदिर पर दो दिवसीय मेला और दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में क्षेत्रीय और बाहरी अखाड़ों के पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। मुख्य मुकाबले में 51 हजार रुपए की इनामी कुश्ती भरत पहलवान जारी और विक्रम पहलवान (पिंपल अखाड़ा मथुरा) के बीच हुई। यह रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। 21 हजार रुपए की कुश्ती में भरतपुर के अचलू पहलवान ने भूपेंद्र पहलवान को हराकर जीत दर्ज की। दंगल में कई रोचक मुकाबले देखने को मिले। देवा पहलवान परखम मथुरा और भोला पहलवान पंचवटी अखाड़ा पलवल के बीच 11 हजार रुपए की कुश्ती बराबरी पर रही। सोनू पहलवान और शुभम के बीच 15 हजार की कुश्ती भी बराबर रही। आखिरी दो बड़े मुकाबलों में 51-51 हजार की कुश्तियां हुईं। पहली कुश्ती गोविंदा पहलवान और श्यामवीर पहलवान के बीच, तथा दूसरी भरत पहलवान और विक्रम पहलवान के बीच हुई। दोनों मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए। दंगल में दूर-दूर से हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे। प्रसिद्ध देवी मंदिर से क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी है। मेले में दूर-दराज से लोग माता के दर्शन के लिए आते हैं। कार्यक्रम में गांव के प्रधान पति राजेश शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, घनश्याम पहलवान, छुट्टन पहलवान, लवकुश पहलवान और प्रवीण विडल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारत अगस्त में सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा

ढाका, एजेंसी। भारत 17 से 31 अगस्त तक मीरपुर और चटगांव में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा, जैसा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय टीम 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाली वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व 13 अगस्त को ढाका पहुंचेगी। तीसरा और अंतिम वनडे चटगांव में खेला जाएगा, जहां 26 अगस्त को तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच भी खेला जाएगा। दूसरे और तीसरे टी20 के लिए मैच मीरपुर में ही खेले जाएंगे। यह 2014 के बाद से भारत का बांग्लादेश का पहला सफेद गेंद वाला दौरा होगा। इसके अलावा, टी20 सीरीज पहली बार होगी जब बांग्लादेश अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। दोनों टीमों के बीच सबसे हालिया टी20 सीरीज 2024 में हुई थी, जब बांग्लादेश ने भारत का दौरा किया था और मेजबान टीम ने 3-0 से आसान जीत हासिल की थी। आगामी सीरीज के बारे में बात करते हुए, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चौधरी ने कहा, यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर में सबसे रोमांचक और सबसे प्रतीक्षित घटनाओं में से एक होने का वादा करती है। भारत ने सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेंचमार्क स्थापित किया है और दोनों देशों के लाखों क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले का आनंद जरूर लेंगे। बांग्लादेश और भारत ने हाल के वर्षों में कुछ बहुत ही प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, और मुझे विश्वास है कि यह एक और कड़ी टक्कर वाली और मनोरंजक सीरीज होगी।

पीयू की हॉकी खिलाड़ी पूजा का भारतीय टीम में चयन पर खुशी

जौनपुर, चसं। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सूर्यबली यादव पी.जी. कालेज, देवकली, सरायख्वाजा, जौनपुर की बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा यादव का चयन भारतीय महिला हाकी टीम में होने की सूचना प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय में खुशी की लहर है। विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम की सदस्य पूजा यादव ने सत्र 2023-2024 में पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता किट्ट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में उपविजेता, खेलो इण्डिया युनिवर्सिटी गेम्स 2024 में प्रतिभाग तथा सत्र 2024-2025 में सम्बलपुर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में तृतीय स्थान प्राप्त किया था। पूजा यादव की इस सफलता से कुलपति प्रो. वन्दना सिंह, कुलसचिव महेन्द्र कुमार, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, सचिव खेलकूद परिषद प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने बधाई दिया है। विश्वविद्यालय की हॉकी महिला टीम लगातार अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही है तथा विगत वर्ष से खेलो इण्डिया विश्वविद्यालयीय खेल के लिए अर्हता प्राप्त कर रही है। इस अवसर पर प्रभारी खेलकूद रजनीश कुमार सिंह, डॉ. राजेश सिंह, अलका सिंह चौहान, विजय प्रकाश, जय सिंह गुहिलौत, भानु प्रताप शर्मा, सतेन्द्र कुमार सिंह, सहित समस्त कर्मचारियों ने मिठाई बॉटकर खुशी का इजहार किया है।

गोरखपुर की 10 परियोजनाओं के लिए 87.29 करोड़ मंजूर

लखनऊ, चसं। पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए गोरखपुर में पर्यटन विकास एवं अवस्थापना सुविधाओं के उच्चीकरण हेतु 87.29 करोड़ रूपये की 10 परियोजनायें स्वीकृत की गयी। अधिकांश परियोजनायें मुख्यमंत्री के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गयी हैं। कार्यों को पूरा कराने की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन, राज्य पर्यटन विकास निगम लि तथा सीएनडीएस को दी गयी है। निर्माण कार्यों में उच्चगुणवत्ता एवं समयबद्धता का पालन करने के लिए निर्देश दिये गये हैं। इन परियोजनायें के स्वीकृत का मुख्य उद्देश्य गोरखपुर को पर्यटन के नक्शे पर स्थापित कर अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना है पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सेक्टर के अंतर्गत गोरखपुर में गोरखतलैया, कबीर भूमि का समेकित पर्यटन विकास, परमहंस योगानन्द की जन्मस्थली का पर्यटन विकास, जिला योजना में जिलाधिकारी गोरखपुर के प्रस्ताव पर तहसील सदर जेल रोड पर स्थित शिव मंदिर के सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य कराये जायेगे। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत श्रीराम चौहान विधायक खजनी गोरखपुर के प्रस्ताव पर महादेवा शिव मंदिर का पर्यटन विकास कार्य कराया जायेगा। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत श्रवण कुमार निषाद विधायक चौरी-चौरा गोरखपुर ब्लाक ब्रहमपुर में स्थित प्राचीन काली माता जी मंदिर का पर्यटन विकास कार्य कराया जायेगा। डा विमलेश पासवान विधायक बांसगांव के प्रस्ताव पर गगहा स्थित जय मां करवल देई का पर्यटन विकास, राजेश त्रिपाठी विधायक चिल्लूपार विधानसभा के अंतर्गत, समय स्थान मंदिर तहसील गोला गोरखपुर का पर्यटन विकास फतेह बहादुर सिंह विधायक कैम्पियरगंज गोरखपुर के प्रस्ताव पर तहसील कैम्पियरगंज स्थित झारखंडी महादेव मंदिर का पर्यटन विकास तथा विपिन सिंह विधायक के प्रस्ताव पर खोराबार स्थित प्राचीन शिव मंदिर स्थित पर्यटन स्थल का पर्यटन विकास कार्य कराया जायेगा।

बीएफआई अंतरिम समिति ने पहली बैठक की

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी को फिर से पटरी पर लाने की जिम्मेदारी संभालने वाली विश्व मुक्केबाजी की अगुवाई वाली अंतरिम समिति ने सोमवार को अपनी पहली बैठक की और जमीनी स्तर पर ढांचे को पुनर्जीवित करने तथा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की पदक संभावनाओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए। विश्व मुक्केबाजी ने 7 अप्रैल को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता में अंतरिम समिति का गठन किया था, ताकि महासंघ के दैनिक कामकाज को चलाया जा सके और मुक्केबाजी के विकास के मार्ग में बाधा बन रहे सभी मुद्दों का समाधान किया जा सके। बीएफआई की विज्ञप्ति में कहा गया है, सोमवार को समिति ने वर्चुअल बैठक की और ठोस निर्णय लिए, जो भारतीय मुक्केबाजी के कामकाज को प्रभावित कर रहे थे, जो इस साल की शुरुआत से ही गतिरोध में था।

पंजाब के गेंदबाजों ने केकेआर को दिया झटका, 16 रनों से जीता मैच

चर्चित राजनीति। एजेंसी

कोलकाता। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रनों से हरा दिया। पंजाब की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवरों में 111 रनों पर ही ढेर हो गई। लग रहा था कि कोलकाता आसानी से ये मैच जीत लेगी, लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने ये रन बनाने मुश्किल कर दिए। आंद्रे रसेल ने अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके और कोलकाता 15.1 ओवरों में 95 रनों पर ही ढेर होकर मैच हार गई। ये आईपीएल इतिहास में बचाया गया तीसरा सबसे कम स्कोर है। पंजाब के गेंदबाजों ने हैरतअंगेज काम करते हुए ये जीत हासिल की। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बल्लेबाजी चुनी थी। उनका यह फैसला गलत साबित हुआ और पूरी टीम 111 रन पर ढेर हो गई थी। जवाब में युजवेंद्र चहल के 4 और यानसेन के 3 विकेट के चलते कोलकात टीम 95 रन पर ही सिमट गई।

मुल्लांपुर में मंगलवार को रोमांच की सभी हदें पार हो गई। पंजाब के गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते कोलकाता 112 रन भी नहीं बना सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम 15.3 ओवर में 111 रन पर सिमट गई थी। ऐसे में लग रहा था कि कोलकाता 11-12 ओवर में इस मुकाबले को जीत लेगी। हालांकि, पंजाब के गेंदबाज अलग ही प्लानिंग के साथ मैदान में उतरे थे। 15.1 ओवर में कोलकाता 95 रन पर सिमट गई और कोलकाता ने 16 रन से मुकाबला जीत लिया। युजवेंद्र चहल ने 4 और मार्को यानसेन ने 3 शिकार किए। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे कम स्कोर है जिसका बचाव हुआ है। वहीं बंगाली न्यू ईयर पर कोलकाता जीत दर्ज नहीं कर पाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की शुरुआत तूफानी रही। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य

और प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंदों पर 39 रन जोड़ दिए। चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर हर्षित राणा ने इस पार्टनरशिप को तोड़ा। उन्होंने आर्य को रमनदीप सिंह के हाथों आउट कराया। प्रियांश आर्य ने 12 गेंदों का सामना किया और 3 चौकों-1 छक्के की मदद से 22 रन बनाए। इसी ओवर की चौथी गेंद पर राणा ने कप्तान श्रेयस अय्यर को पवेलियन भेज दिया। अय्यर तो खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद तो विकेट की झड़ी लग गई। 5वें ओवर में जोश इंग्लिस (2) को वरुण चक्रवर्ती ने LBW आउट किया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में राणा ने प्रभसिमरन सिंह को अपने जाल में फंसा लिया।

उन्होंने 15 गेंदों का सामना किया और 30 रन बनाए। इसके बाद क्रीज पर आए नेहल वढेरा ने 10, ग्लेन मैक्सवेल ने 7, सूर्यांश शेडगे ने 4, मार्को यानसेन ने 1, शशांक सिंह ने 4 और जेवियर बार्टलेट 11 रन बनाए। अर्शदीप सिंह 1 रन बनाकर नाबाद रहे। हर्षित राणा ने 3, वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन ने 2-2, वैभव अरोड़ा और एनरिक नॉर्जे ने 1-1 विकेट लिया। 111 रनों के आसान से टारगेट को चेज करने उतरी कोलकाता को पहले ही ओवर में झटका लगा। मार्को यानसेन ने सुनील नरेन को बोल्ड किया। नरेन ने 4 गेंदों पर 5 रन बनाए। अगले ही ओवर में जेवियर बार्टलेट ने क्विंटन डी कॉक को पवेलियन भेज दिया। वह 4 गेंदों पर 2 रन ही बना सके। पंजाब की तरह ही कोलकाता के बल्लेबाज भी कोई खास पार्टनरशिप नहीं कर पाए। अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने 55 रन जोड़े। चहल ने रहाणे को LBW आउट कर इस पार्टनशिप को तोड़ा। रहाणे ने 17 गेंदों पर 17 रन बनाए। 10वें ओवर में अंगकृष रघुवंशी ने चहल को विकेट थमा दिया। उनके बल्ले से 37 रन निकले। इसके बाद वेंकटेश अय्यर ने 7, रिंकू सिंह ने 2, रमनदीप सिंह ने 0, हर्षित राणा ने 3 रन बनाए। वैभव अरोड़ा ने 7 गेंदों का सामना किया और वह खाता तक नहीं खोल सके। कोलकाता की आखिरी उम्मीद आंद्रे रसेल को मार्को यानसेन ने बोल्ड किया। रसेल ने 11 गेंदों पर 17 रन ठोके। युजवेंद्र चहल के खाते में सबसे ज्यादा 4 विकेट आए। मार्को यानसेन को भी 3 सफलताएं मिलीं।

अंपायर ने सुनील नरेन के बल्ले को किया Not Allowed, सन्न रह गए दर्शक : कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज सुनील नरेन के साथ मंगलवार को वो हो गया जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। अंपायर ने नरेन को मैदान पर बल्ले ले जाने से रोक दिया। ये देख कोलकाता की टीम भी हैरान रह गई। ये हुआ आईपीएल के एक नए नियम के कारण। पंजाब के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले जा रहे मैच में जब कोलकाता की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो सुनील नरेन और क्विंटन डीकॉक बल्लेबाजी करने आ रहे थे। तभी अंपायर ने नरेन को रोक दिया। इसका कारण था उनका बल्ला। आईपीएल में बीसीसीआई ने एक नया नियम बनाया है। इस निमय के तहत अंपायर बल्लेबाज का बल्ला चैक करते हैं। इसके लिए वह एक खांचा लेकर आते हैं। अगर बैट इसमें फिट हो गया तो बल्लेबाज को उस बैट को उपयोग करने की मंजूरी देते हैं नहीं तो फिर बल्ला बदलने को कहते हैं। इसी नियम के तहत कोलकाता की बल्लेबाजी से पहले नरेन का बल्ला चैक हुआ जो नियम के मुताबिक नहीं था और इसी कारण उनको बदलने को कहा।

कमेंट्री के दौरान बताया गया कि अंपायर ने नरेन से बल्ले को बदलने को कहा है। इसी के चलते उन्होंने अपना बैट बदला। नरेन ने बैटिंग पर जाने से पहले अपनी मिस्ट्री स्पिन से बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने तीन ओवरों में सिर्फ 14 रन दिए और दो विकेट लिए। पंजाब की टीम अपने घर में कोई बड़ा स्कोर नहीं कर पाई है। 15.3 ओवरों में टीम 111 रनों पर ढेर हो गई। उसके लिए सबसे ज्यादा 30 रन प्रभसिमरन सिंह ने बनाए। प्रियांश आर्या ने 22 रन बनाए। कोलकाता के लिए हर्षित राणा ने तीन विकेट लिए। वरुण के हिस्से भी दो विकेट आए। वैभव अरोड़ा और एनिरक नॉर्खिया के हिस्से एक-एक विकेट आया।

मैं दोषी हूं, अजिंक्य रहाणे ने अपने सिर लिया कोलकाता की शर्मनाक हार का ब्लेम, साथियों का बचाया : कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य राहणे ने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार का दोष अपने सिर ले लिया है। कोलकाता का मजूबत बल्लेबाजी क्रम पंजाब द्वारा रखे गए 112 रनों के टारगेट को हासिल नहीं कर सका। पंजाब ने अपने घर मुल्लांपुर में खेले गए मैच में 12 रनों से जीत हासिल की। कोलकाता की टीम आसान से टारगेट के सामने 15.1 ओवरों में 95 रनों पर ही ढेर हो गई। आंद्रे रसेल ने आखिरी तक खड़े रहते हुए टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन मार्को यानसेन ने उनको बोल्ड कर कोलकाता की पारी का अंत कर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद कोलकाता के कप्तान रहाणे ने हार का दोष किसी को नहीं दिया है बल्कि पूरी

> ■ पंजाब की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवरों में 111 रनों पर ही ढेर हो गई, जवाब में कोलकाता ने 95 रन बनाये

जिम्मेदारी अपने सिर ले ली है। रहाणे ने कहा, ÷मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। मैंने एक गलत शॉट खेला। वहीं से टीम का स्थिति खराब हो गई। मैं डीआरएस को लेकर कोई चांस नहीं लेना चाहता था क्योंकि मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं था। विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था, लेकिन 111 रन चेज किए जाने थे। एक बल्लेबाजी ईकाई के तौर पर हम काफी बुरा खेले। रहाणे ने कहा, ÷हमारे गेंदबाजों ने पंजाब की मजबूत बल्लेबाजी के सामने शानदार काम किया। मुझे लगता है कि हमने लापरवाही की। एक यूनिट के तौर पर पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी। मेरे दिमाग में काफी चीजें चल रही थीं। काफी निराश हूं। मुझे अपने आप को शांत रखने की जरूरत है और सोचना होगा कि मैं टीम से क्या बात करूंगा। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कोलकाता के गेंदबाजों ने उसे बड़ा स्कोर नहीं करने दिया। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को तेज शुरुआत दी, लेकिन जैसे ही ये जोड़ी पवेलियन लौटी पंजाब के बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए। प्रभसिमरन ने 15 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली। प्रियांश ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। कोलकाता की तरफ से हर्षित राणा ने तीन विकेट अपने नाम किए। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन के हिस्से दो-दो विकेट आए। वैभव अरोड़ा और एनरिक नॉर्खिया के हिस्से एक-एक विकेट आया। लग रहा था कि कोलकाता आसानी से ये मैच अपने नाम कर लेगी, लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने कमाल करते हुए ये टारगेट बचा लिया। कोलकाता की तरफ से सिर्फ तीन बल्लेबाज ही दहाई के अंक में पहुंच सके। अंगकृष रघुवंशी ने 28 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 37 रनों की पारी खेली। रहाणे ने 17 और रसेल ने 17 रन बनाए।

मैच के दौरान अंपायर्स क्यों चेक कर रहे बल्लेबाजों का बैट : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के दौरान कई नए नियम आए। कोविड काल के पहले की तरह ही अब गेंदबाज बॉल पर लार लगा सकते हैं। इतना ही नहीं ओस के कारण दूसरी इनिंग में बॉल बदली जा सकती है। इसके अलावा अब मैच के दौरान फैंस की नजर एक और चीज पर पड़ी होगी। मुकाबले के दौरान जैसे ही बल्लेबाज मैदान पर आता है अंपायर सबसे पहले उसका बैट चेक कर रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में मैचों के दौरान मैदानी अंपायर्स को नियमित रूप से बल्ले के आकार की जांच करने का निर्देश दिया है। बल्ले के आकार का आकलन करने की प्रथा नई नहीं है। इससे पहले खिलाड़ी मैच से पूर्व या मैच एक दिन पहले शाम को अपने बल्ले को निरीक्षण के लिए जमा करते थे। यह जांच पहले सार्वजनिक नहीं होती थी। आमतौर पर ड्रेसिंग रूम के अंदर होती थी। सतर्कता बढ़ाने के लिए अब ऑन फील्ड अंपायर्स को खेल के दौरान होम-शेप्ड बैट गेज का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार हर बल्लेबाज को गार्ड लेने से पहले गेज टेस्ट पास करना होगा। अप्रैल के पहले दो हफ्तों के दौरान हार्दिक पांड्या, फिल सॉल्ट और शिमरॉन हेटमायर सहित कई बल्लेबाजों के बल्ले मैदान पर अंपायरों द्वारा चेक किए गए हैं। अंपायर ने जिन बल्लों का आकार चेक किया है वह आईपीएल की ऑफिशियल रूल बुक में उल्लिखित आयामों से अधिक नहीं था। बल्ले की चौड़ाई 4.25 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए और इसे गेज से आसानी से गुजरना चाहिए। नियम के मुताबिक, बल्ले का ब्लेड इन आयामों से अधिक नहीं होना चाहिए। चौड़ाई 4.25 इंच/ 10.8 सेमी, डेप्थ 2.64 इंच / 6.7 सेमी, किनारा 1.56 इंच / 4.0 सेमी होना चाहिए। इसके अलावा बैट को बैट गेज से आसानी से निकलना होगा। यह गेज अंपायर के पास होता है।

ड्रेसिंग रूम में होती थी बल्ले की जांच : एक पूर्व अंपायर ने बातचीत में कहा, हम हमेशा पारी शुरू होने से पहले ड्रेसिंग रूम में बल्ले की जांच करते थे। खिलाड़ी अपने बल्ले सौंप देते थे और वहीं जांच पूरी हो जाती थी। अब सवाल यह है कि क्या किसी खिलाड़ी ने निरीक्षण के लिए एक बल्ला जमा किया और मैदान पर दूसरे बल्ले का इस्तेमाल किया? अगर ऐसा है तो यह नया प्रोटोकॉल निश्चित रूप से उचित है। खिलाड़ी अक्सर कई बल्ले लेकर चलते हैं। हालांकि, वजन अलग-अलग हो सकता है, लेकिन ऊंचाई, चौड़ाई, गहराई और किनारे की चौड़ाई आईसीसी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर ही रहनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जब खिलाड़ियों को बड़े आकार के बल्ले का इस्तेमाल करते हुए पाया गया। उन खिलाड़ियों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया, लेकिन बीसीसीआई ने अब सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। टी20 क्रिकेट के आज के पावर-हिटिंग युग में बल्ले के गेंद पर हावी होने की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने अखबार से बात करते हुए कहा कि नई जांच का उद्देश्य खेल की भावना को बनाए रखना है।

> युजवेंद्र चहल ने 4 और मार्को यानसेन ने 3 शिकार किए। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे कम स्कोर है जिसका बचाव हुआ है। वहीं बंगाली न्यू ईयर पर कोलकाता जीत दर्ज नहीं कर पाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की शुरुआत तूफानी रही। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंदों पर 39 रन जोड़ दिए।

पुरानी कारें खरीदने और बेचने में अरबपति बना रायबरेली का युवा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

रायबरेली। यूपी के रायबरेली के रहने वाले विक्रम चोपड़ा की सीट जब आईआईटी बॉम्बे में पक्की हुई तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। परिवार भी एकदम खुश था। उन्होंने IIT बॉम्बे में पांच साल बिताए। जनवरी 2001 से लेकर जनवरी 2006 तक उन्होंने इंजीनियरिंग की बारीकियां सीखीं और बेचलर और मास्टर डिग्री लेकर निकले। उन्होंने दो नौकरियां कीं, मगर वे रास नहीं आई, क्योंकि विक्रम को कुछ अलग और कुछ बड़ा करना था। नौकरी छोड़ने के बाद एक स्टार्टअप किया, मगर वह चल नहीं पाया। विक्रम थोड़े उदास थे, मगर उनके ख्वाब अब भी मजबूत थे।

आखिर उन्होंने एक ऐसी कंपनी बनाई, जिसकी आधिकारिक मार्केट वैल्यू 2021 में 313 बिलियन डॉलर (28 हजार करोड़ रुपये से अधिक) आंकी गई। इसी आधार पर कंपनी ने लगभग 440 मिलियन डॉलर का फंड भी उठाया। विक्रम चोपड़ा की कंपनी का नाम है कार्स 24 (Cars24)। कार्स24 एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां यूज्ड कारों को खरीदा और बेचा जा सकता है। आज तो हमें इस कंपनी की जबरदस्त वैल्यू नजर आती है, लेकिन इस सफलता की कहानी के पीछे लम्बा संघर्ष और कुछेक फेल्योर भी हैं। चलिए विस्तार से जानते हैं विक्रम चोपड़ा ने कैसे इस कंपनी को एक शानदार मुकाम तक पहुंचाया।

पहले नौकरी और फिर बिजनेस : अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने 2006 में मैकिन्सी एंड कंपनी में बतौर एनालिस्ट काम किया। वहां तीन साल बिताने के बाद 2009 में उन्होंने सिकोइया कैपिटल में दो साल तक इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट के तौर पर सेवाएं दीं। नौकरी के दौरान उन्होंने हमेशा महसूस किया कि भारत में तमाम संभावनाएं हैं और कुछ स्पेशल काम किया जा सकता है। यही सोचकर उन्होंने नौकरी छोड़ी और 2012 में फैबफर्निश कंपनी की स्थापना की। तीन साल तक इस कंपनी को खड़ा करने की कोशिशों के बाद सब असफलता हाथ लगी तो उन्हें लगा कि कुछ और किया जाए।

विक्रम चोपड़ा की दिलचस्पी कारों में बहुत अधिक थी। उन्होंने अपनी दिलचस्पी को ही अपना पेशा बनाने का सोचा। उन्होंने महसूस किया कि भारत में सेंकड हैंड कारों का बड़ा बाजार है, लेकिन वह ऑर्गेनाइज्ड नहीं है। लोगों को पुरानी कार खरीदने में कई तरह की धोखाधड़ियों का सामना भी करना पड़ता है। क्यों न इसे ऐसा ऑर्गेनाइज कर दिया जाए कि लोगों की परेशानी भी खत्म हो जाए और एक बिजनेस एंपायर भी खड़ा हो जाए। इसी सोच के साथ 2015 में कार्स24 की स्थापना की गई।

वेरिफाइड बायर्स को सीधे कार बेचने की सुविधा : इस कंपनी के तीन को-फाउंडर थे। कंपनी ने कार मालिकों को यह सुविधा दी की वे वेरिफाइड बायर्स को सीधे कार बेच पाएं। केवल इतना ही नहीं, बल्कि कई तरह के ऑफर दिए गए, जिसमें तेजी से पेमेंट्स, बिना झंझट के आरसी ट्रांसफर की सुविधा भी शामिल थे। चूंकि पुरानी कारों का बाजार देशभर में फैले और अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे डीलर्स पर निर्भर था। डीलर ही पुरानी कार खरीदने का एक जरिया थे। ऐसे में विक्रम चोपड़ा ने पूरे देश में डीलर्स का एक बड़ा नेटवर्क तैयार करने का आइडिया पेश किया। इसी के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के साथ कार की सही कीमत का पता लगाने की सुविधा दी गई। फ्री में आरसी ट्रांसफर करने की सुविधा ने फ्रॉड का रिस्क बेहद कम कर दिया। अब पुरानी कार बेचने और खरीदने वालों के पास एक ऐसी कंपनी मध्यस्थ के तौर पर खड़ी थी, जो सभी चेक करने के बाद काम को पूरी करती थी। लोगों को यही चाहिए था और का आइडिया क्लिक कर गया।

> ■ विक्रम चोपड़ा ने कार्स 24 की स्थापना की, 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक है वैल्यू
>
> ■ कार्स 24 ने 1.5 लाख कारें सालाना बेचना शुरू किया

32 करोड़ का पहला फंड : 2015 में कार्स24 ने 32 करोड़ रुपये जुटाए और दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु में अपने बिजनेस को विस्तार देने का काम किया। 2015 में ही कंपनी ने 12 शहरों में 50 ब्रांच खोली दीं और 1 लाख से अधिक कारें बेच डालीं। यहीं से पता चल गया था कि यह बिजनेस धमाल मचाने वाला है। 2018 में उन्होंने सिकोइया कैपिटल (जिसके लिए खुद विक्रम चोपड़ा ने नौकरी की थी) और इरोक्स सीड्स से 340 करोड़ रुपये का फंड जुटा लिया। इस वक्त कंपनी की वैल्यूएशन 1,740 करोड़ रुपये आंकी गई। अब हर बिजनेस में कंपीटिशन तो आता ही है। कार्स24 के लिए भी ओएलएक्स, ड्रूम, और महिंद्रा फर्स्ट चॉइनस जैसी बड़ी कंपनियों ने चैलेंज खड़ा कर दिया। कार्स24 को कुछ अलग करने की जरूरत थी। विक्रम चोपड़ा की कंपनी ने इंस्टेंट पेमेंट का कॉन्सेप्ट शुरू किया और डोरस्टेप सर्विस की सुविधा लॉन्च की। कंपनी ने बी2बी ऑक्शन भी शुरू कर दिए, जिससे डीलर्स को कारों के लिए रियल-टाइम बोलियों की जानकारी मिलने लगी। सफर यहीं रुकने वाला नहीं था। विक्रम अपनी कंपनी को ऐसे स्तर पर ले जाना चाहते थे कि कोई कंपीटिशन उसे छू तक न पाए।

एक ही विजिट में कार बेचने का काम : अब कार्स24 ने एक नया कॉन्सेप्ट पेश किया जिसका नाम था 'Sell Your Car in One Visit'। मतलब एक ही विजिट में अपनी कार बेचिए, बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत खत्म कर दी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को ब्रांड अंबेसडर बनाया गया। इतना सब होने के बाद भी कंपनी कारों की बिक्री पर केवल 4 फीसदी कमीशन ही कमा पा रही थी। इस बिजनेस को दूसरे देशों तक पहुंचाने की जरूरत महसूस की गई। यूएई, ऑस्ट्रेलिया और साउथईस्ट एशिया में कंपनी ने दस्तक दी। कंपनी ने बाइक्स और कमर्शियल वाहनों की बिक्री भी शुरू कर दी। कार्स24 ने 1.5 लाख कारें सालाना बेचना शुरू किया और रेवेन्यू 2,270 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जब कोई छोटी कंपनी बड़ी होने लगती है तो पैसा लगाने वालों की भी कतार लग जाती है। 2017 में डीएसटी ग्लोबल से उन्होंने 1,510 करोड़ रुपये जुटाए और पुरानी कार बेचने वाली भारत की पहली यूनिकॉर्न कंपनी बन गई। आज, कार्स24 की मंथली ट्रांजेक्शन्स 2 लाख से अधिक हैं। ऐप को 15 मिलियन डिवाइसों पर डाउनलोड किया गया है और 200 से अधिक शहरों में कंपनी की ब्रांच हैं। पुरानी कारों के बिजनेस में कंपनी के पास देश का 65 फीसदी बाजार है। अप्रैल 2025 में कार्स24 की वैल्यूएशन कितनी है, इस तरह का डेटा पब्लिक डोमेन में नहीं है।

भारत की स्ट्रीट-स्मार्ट कार : एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म की लखनऊ में हुई लांचिंग

लखनऊ, चसं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत की स्ट्रीट-स्मार्ट कार एमजी कॉमेट का नया ब्लैकस्टॉर्म एडिशन लखनऊ में पेश किया है। आकर्षक लुक और स्टाइल के साथ आने वाला यह वेरिएंट सबसे प्रीमियम है, जिसकी कीमत बैटरी-एज-ए-सर्विस मॉडल के तहत 7.80 लाख, 2.5 प्रति किलोमीटर रखी गई है। जो ग्राहक एक स्टाइलिश और टेक्नोलॉजी से लैस शहर में चलने वाली कार की तलाश में हैं, वे अब लखनऊ स्थित एमजी डीलरशिप पर जाकर केवल 11,000৳- रुपयों में नई एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म की बुकिंग कर सकते हैं। एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म अपने 'स्टारी ब्लैक' एक्सटीरियर के साथ बेहतरीन स्टाइल और शानदार लुक प्रदान करता है, जो कार के आकर्षण को और बढ़ाता है।कॉमेट ईवी का नेमप्लेट डार्क क्रोम में उकेरा गया है, जबकि इंटरनेट इनसाईड लोगो को ब्लैक फिनिश दिया गया है, जो इसे और अधिक आकर्षक बनाता है। इसके इंटीरियर में भी ब्लैक थीम बरकरार रखी गई है, जहां लेदराइट सीटों पर 'ब्लैकस्टॉर्म' शब्द को रेड एम्ब्रॉयडरी के साथ उकेरा गया है, जो एक प्रीमियम अनुभव का अहसास कराता है।

संगीत प्रेमियों के लिए, कंपनी ने अब कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म में 4 स्पीकर जोड़े हैं, जिससे ट्रैफिक जाम के दौरान सफर और भी सुहाना हो जाएगा। इस नए एडिशन में 17.4 ीं बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है और 230 किलोमीटर की प्रमाणित रेंज' प्रदान करती है।ग्राहक अपने कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को और अधिक स्टाइलिश बना सकते हैं एक्सक्लूसिव एक्सेसरी पैक के जरिए, जिसमें यूनिक बैज, व्हील कवर और अतिरिक्त स्टाइलिंग एलिमेंट्स जैसे हूड ब्रांडिंग और स्किड प्लेट्स शामिल हैं। इस बारे में एमजी लखनऊ के डीलर प्रिंसिपल रजनीश अग्रवाल ने कहा, एमजी कॉमेट इवी जैसे औद्योगिक शहर लखनऊ के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। आज के युवा और आधुनिक भारतीय ग्राहक ऐसी कार की तलाश में रहते हैं जो उनकी स्टाइल और पर्सनैलिटी को दर्शाए, और एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म इसी जरूरत को पूरा करती है। कॉमेट का यह नया एडिशन अपने स्टाइलिश ब्लैक लुक और प्रीमियम डिजाइन के साथ रोजमर्रा की यात्रा को और भी खास बनाता है। साथ ही, यह एमजी की उन्नत तकनीक और शानदार ओनरशिप अनुभव के वादे को भी कायम रखता है।÷एमजी कॉमेट ईवी शहरी यात्रियों की जरूरतों को उनकी पसंदीदा स्टाइल के साथ जोड़ती है, वह भी सुरक्षित और स्मार्ट फीचर्स के साथ। सीवाई '24 में कॉमेट ईवी की बिक्री सीवाई '23 की तुलना में 29: बढ़ी, जो इसे कार खरीदारों के बीच बेहद लोकप्रिय बनाती है। इसका अद्वितीय डिजाइन और व्यावहारिकता उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रही है, जिससे यह शहरी निवासियों के लिए एक स्टाइलिश और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी समाधान के रूप में उभर रही है।

अनुभव सिन्हा की फिल्म में फिर काम करेंगी तापसी पन्नू

फिल्म इंडस्ट्री के ऐसे निर्देशक हैं जो एक्शन, ड्रामा फिल्मों से इतर सामाजिक मुद्दों को दिखाती फिल्मों का निर्माण करते हैं। उनकी फिल्में भले ही बॉक्स ऑफिस पर खास कमाई न करती हो मगर उन मूवीज की कहानियां दर्शकों के दिलों में अपनी छाप जरूर छोड़ती हैं। कुछ समय पहले अनुभव सिन्हा ने आईसी 814 : द कंधार हाईजैक का डायरेक्शन किया था जो असल घटनाओं पर आधारित थी। अब फैंस के लिए खुशखबरी सामने आ रही है।

अनुभव सिन्हा एक बार फिर से तापसी पन्नू के साथ नई फिल्म के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस फिल्म से सिन्हा दर्शकों को और नई कहानी लेकर आने वाले हैं। फिल्म उन्ही की एक मूवी की सीक्वल होगी। अगर आप सोच रहे हैं कि हम थप्पड़ की बात कर रहे हैं तो नहीं। हम बात कर रहें हैं मुल्क की जिसे आईएमडीबी से 7.2 की रेटिंग मिली है। मिड डे कि एक रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक गौरव सोलंकी के साथ मिलकर मुल्क 2 पर काम करने वाले है जिन्होंने आर्टिकल 15 फिल्म की कहानी लिखी थी। फरवरी में, तापसी पन्नू ने अपनी फिल्म थप्पड़ (2020) के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए निर्देशक के साथ दोबारा काम करने पर हिंट दिया था। एक सूत्र के अनुसार, अनुभव ने तापसी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। मुल्क की तरह, फिल्म एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय की खोज करती है।

2018 में आई इस फिल्म में एक मुस्लिम परिवार द्वारा सामना की गई कट्टरता की जांच की गई थी। हालांकि फिल्म का रिलीज डेट या बाकी कलाकारों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। तापसी पन्नू शानदारी एक्टिंग के अलावा नेक काम के लिए भी काफी पसंद की जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने भीषण गर्मी से जूझ रहे वंचित परिवारों को राहत देने के मकसद से हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाने पर फाउंडेशन ने जरूरतमंद समुदायों को पंखे और वाटर कूलर बांटे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री आखिरी बार 'हसीन दिलरुबा' के दूसरे पार्ट फिर आई हसीन दिलरुबा' में नजर आई थीं। वहीं दूसरी ओर मुंबई में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। इस बीच गर्मी से निपटने के लिए अभिनेत्री तापसी पन्नू ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों को पंखे और वाटर कूलर वितरित किए। इस नेक काम के लिए तापसी ने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ

हाथ मिलाया है। नेक काम कर खुश हुई अभिनेत्री ने बताया, हम अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को हल्के में लेते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए, खासकर इस असहनीय गर्मी में हल्की हवा भी एक आशीर्वाद की तरह होती है। इस पहल से मैं प्रभावित हूं और इसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं। यह सिर्फ देने के बारे में नहीं है। यह लोगों के साथ खड़े होने, उनके दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, करने के बारे में है। हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह ने कहा, जब तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है, तो झुग्गी-झोपड़ियों में रहना लगभग मुश्किल हो जाता है। ये संकरे हैं, जहां बमुश्किल कोई वेंटिलेशन होता है। लोग बिना पंखे या कूलर के पूरा दिन मुश्किलों में गुजारने को मजबूर होते हैं और लोगों के इसी दर्द को हमने समझा और मदद करने का ख्याल हमारे मन में आया। उन्होंने आगे बताया कि यह सदेश देने के लिए है कि वे अकेले नहीं हैं। यह छोटे-छोटे तरीकों से मानवता के लिए आगे आने और लोगों के दर्द को समझने से संबंधित है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू की अपकमिंग फिल्म गांधारी की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हाल ही में इश्वाक सिंह, लेखिका कनिका ढिल्लों और निर्देशक देवाशीष मखीजा की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अभिनेत्री ने बताया था कि इस फिल्म के लिए उन्होंने खूब मेहनत की। कनिका ढिल्लों के साथ तापसी पन्नू कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। गांधारी दोनों की साथ में छठी फिल्म है। दोनों साथ में मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा और फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में नजर आई हैं। वहीं एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025' के दौरान 37 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म उद्योग की कठोर वास्तविकताओं पर अपने विचार साझा किए। पन्नू ने कहा, आदर्शवादी बात यह है कि कड़ी मेहनत से आप वह सब कुछ हासिल कर लेंगे, लेकिन यहां (फिल्म उद्योग में) ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में हर चीज निष्पक्ष है। अगर आप उम्मीद करते हैं कि सब कुछ उचित और निष्पक्ष होगा तो ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा, यह अनुचित होगा। आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलेंगी, इसलिए अपने अहंकार को किनारे रखें, अन्यथा आप निराश होंगे, साथ ही बुरी बातें सुनने के अभ्यस्त हो जाइए। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है। मैं उद्योग (फिल्म) का शिकार नहीं हूं। उन्होंने आकांक्षा रखने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सलाह दी कि यदि उनके प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उनके पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। पन्नू ने कहा, मेरे पास विकल्प 'बी' था। मैंने इंजीनियरिंग की थी, नौकरी की थी और मैं वह कर सकती थी। मैं एमबीए करना चाहती थी, इसलिए मैंने सभी विकल्प तैयार रखे थे। अभिनेत्री ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की। 2023 में अपने लंबे समय के साथी बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने कहा कि उन्हें अपनी शादी के बारे में 'प्रेस विज्ञप्ति' जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैं उनसे बैडमिंटन कोर्ट पर मिली थी, मैं दर्शकों में थी और वह खेल रहे थे, और यह एक घरेलू लीग थी जहां मेरी उनसे मुलाकात हुई। मैंने जिस व्यक्ति से शादी की है उसे मैं दस साल से जानती थी और अब मैं उसे 11 साल से जानती हूं। पन्नू ने कहा कि बो द्वारा उन्हें प्रेम प्रस्ताव देने के नौ साल बाद उन्होंने उनसे शादी कर ली। उन्होंने कहा, ''मैंने कई शादियां देखी हैं जो टूट गई या कामयाब नहीं हुई और मैं डर गई थी। हम ऐसे पेशे में हैं जहां बहुत सारे उतार, चढ़ाव हैं और मैं अपनी निजी जिंदगी में उतार, चढ़ाव नहीं चाहती थी। इसलिए कई बार जांच-परख के बाद मैंने शादी कर ली। मेरी निजी जिंदगी इतनी स्थिर है कि लोग इसे उबाऊ मानते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपनी एक्टिंग और बेबाक अंदाज के कारण इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई है। वह अक्सर अपने बिंदास स्टेटमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में, तापसी ने शाहरुख खान को लेकर एक बड़ी बात कही, जिससे उनके फैंस भी हैरान हो गए। तापसी ने खुलासा किया कि अगर उन्होंने अपनी लाइफमें सबसे बड़ा मार्केटिंग लेसन किसी से सीखा है, तो वह शाहरुख खान से ही लिया है। शाहरुख खान की यह सीख उनकी कई परेशानियों का हल बन गई। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उन्हें यह समझाया था कि कैसे एक एक्टर को अपनी मार्केटिंग और प्रमोशन के तरीके को सही तरह से देखना चाहिए।

तापसी पन्नू ने अपनी फिल्म थप्पड़ (2020) के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए निर्देशक के साथ दोबारा काम करने पर हिंट दिया था। एक सूत्र के अनुसार, अनुभव ने तापसी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। मुल्क की तरह, फिल्म एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय की खोज करती है।

तापसी ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और एक्टर के बीच की तुलना पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स और एक्टर्स की तुलना करते हैं। उनका नजरिया अब सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के बारे में बदल चुका है। वह अब उन्हें सिर्फएक मार्केटिंग टूल या प्रमोशन का माध्यम मानती हैं, क्योंकि आखिरकार यह सोचने की बात है कि कोई चीज किस तरह से देखी जाती है। तापसी ने कहा, आप इसे किसी दूसरे नजरिए से देखते हैं, और मैं इसे अलग तरीके से देखती हूं। वह मानती हैं कि एक्टर्स पर ज्यादा जिम्मेदारी होती है। **:: नेशनल डेस्क**

बॉबी देओल ने वाइफ तान्या को बताया अपनी सबसे बड़ी ताकत

आश्रम वेब सीरीज के बाबा निराला उर्फ एक्टर बॉबी देओल अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफको लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। वह अक्सर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में एक बातचीत में बॉबी देओल ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफको लेकर कई अहम बातें शेयर कीं। बॉबी देओल ने कहा, ये सिर्फमेरे डैड का कॉन्ट्रिब्यूशन नहीं था। इसमें मेरी मां और मेरी दादी का कॉन्ट्रिब्यूशन था और मेरी शादी के बाद मेरी पत्नी का। वो मेरे मुश्किल समय में मेरे साथ खड़ी रही। ये ऐसे था जैसे मेरी मां मेरे पापा के साथ खड़ी रहीं। एक्टर ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत बताते हुए कहा, मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरी पत्नी तान्या है। उसे मुझ पर विश्वास था और उसने मुझसे हमेशा कहा कि मैं स्पेशल हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है मेरे पापा अपनी मर्जी के मुताबिक जिंदगी जिए हैं. थंदा पदंजतं का गाना है न कि मैंने अपने तरीके से किया, ये मुझ पर सूट करता है। मेरे पापा भी ऐसे ही हैं। बॉबी देओल ने बताया कि जब उन्होंने करियर की शुरुआत की तो वो कभी भी लोगों से ऐसे नहीं मिलते थे जैसे कि स्टार्स किसी से मिलते हैं। वो इंसान की तरह उनसे मिलते थे। वो उनसे कनेक्ट करते थे। उन्होंने कई लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। यही कारण हैं कि पापा के लिए आज भी प्यार लोगों के दिलों में हैं। वर्क फ्रंट की बात करें को बॉबी देओल को पिछले कुछ दो वर्षों में वेब सीरीज आश्रम और फिल्म एनिमल से काफी फेम मिला। आश्रम सीरीज में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया। **:: एजेंसी**

इस एक्ट्रेस ने इंडियन एयरफोर्स अफसर के साथ की सगाई, आइवरी कलर के लहंगे में दिखी बेहद खूबसूरत

टीवी इंडस्ट्री से एक प्यारी और खुशी भरी खबर सामने आई है। कन्नड़ टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री वैष्णवी गौड़ा ने भारतीय वायुसेना के अधिकारी अनुकूल मिश्रा से सगाई कर ली है। इस खास मौके की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। वैष्णवी गौड़ा ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सगाई की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं और एक-दूसरे के साथ खूबसूरत पल बिता रहे हैं। तस्वीरों में दोनों का अंदाज बेहद क्यूट और रोमांटिक लग रहा है। पहली फोटो में वैष्णवी और अनुकूल एक-दूसरे को देखकर चल रहे हैं और प्यारा पोज दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में उनकी रिंग सेरेमनी और आउटफिट्स की झलक देखने को मिलती है। तीसरी फोटो में कपल बारिश के बीच छते के नीचे पोज दे रहा है। चौथी फोटो ब्लैक एंड व्हाइट है, जिसमें दोनों का एक खास मोमेंट कैद किया गया है। पांचवी फोटो में वैष्णवी मुस्कुराती हुई पोज देती नजर आ रही हैं। छठवीं और सातवीं फोटो में अनुकूल, वैष्णवी को किस करते हुए दिख रहे हैं, और दोनों एक-दूसरे को गले लगाए हुए हैं। इसके बाद की तस्वीरों में दोनों कुछ खाते हुए और एक-दूसरे की ओर देख कर पोज देते हुए नजर आते हैं। इस खास मौके पर वैष्णवी ने आइवरी कलर का खूबसूरत लहंगा पहना था। उनके लुक को और भी खास बनाया ग्रीन कलर की ज्वैलरी ने, जो उनके आउटफिट के साथ बेहद खूबसूरत लग रही थी। वहीं अनुकूल मिश्रा ने भी आइवरी कलर की शेरवानी पहन रखी थी, जिसमें वो बहुत हैंडसम नजर आए। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स वैष्णवी और अनुकूल की जोड़ी को खूब पसंद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर इनकी तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। लोग इस जोड़ी को बधाई दे रहे हैं और उनके नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। हालांकि अभी तक कपल की शादी की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन सगाई के बाद फैंस अब उनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही कपल अपनी शादी की डेट की जानकारी भी साझा करेगा। **:: एजेंसी**

'खिचड़ी 3' का हो गया ऐलान

खिचड़ी सबसे ज्यादा पसंद करने वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। इसे पहले टीवी सीरियल के रूप में टेलीकास्ट किया गया था जो लोगों को बहुत भाया था। इसके बाद खिचड़ी की दो मूवी भी रिलीज की गई। इसके कैरेक्टर्स आज भी लोगों के फेवरेट हैं। वहीं फराह खान के व्लॉग में मूवी की कास्ट ने इसकी तीसरे पार्ट पर मुहर लगा दी है। फिल्म के निर्माता जे.डी. मजीठिया ने इसका ऐलान किया है। दरअसल, फिल्म डायरेक्टर फराह खान ने अपने घर पर 'खिचड़ी' की टीम को इनवाइट किया। फराह ने इसका व्लॉग अपने यूट्यूब चौनल पर शेयर भी किया। यहां 'खिचड़ी' कलाकारों ने मूवी से जुड़ी अपनी यादें भी शेयर की। इस दौरान जे.डी. मजीठिया ने कहा, श्हम लोग 2027 में एक और खिचड़ी बनाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि साल 2002 में टीवी सीरियल के रूप में शुरू हुई फ्रेंचाइजी साल 2027 में आइकॉनिग शो के 25 साल पूरे करेगी। इसी के साथ उनके प्रोडक्शन हाउस के भी इतने साल पूरे होंगे। ऐसे में वे एक जबर्दस्त पिक्चर बनाने की तैयारी में हैं। बता दें मूवी में जे.डी. मजीठिया ने हिमांशु का किरदार निभाया है जो काफी फेमस हुआ। वहीं हंसा का किरदार निभाने वाली सुप्रिया पाठक भी काफी चेंज हो गई हैं। बापूजी का किरदार निभाने वाले अनंग देसाई भी इस दौरान मौजूद रहे हालांकि उनके लुक में भी थोड़े बहुत चेंज दिखाई दिए।'खिचड़ी का पहला पार्ट साल 2010 में रिलीज किया गया था। वहीं लोगों को ये काफी पसंद आया था। **:: एजेंसी**

एमआर से 30 लाख से ज्यादा बच्चों की हुई मौत

एक नए ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला है कि 2022 में दुनिया भर में तीन मिलियन से अधिक बच्चों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से संबंधित संक्रमणों के कारण अपनी जान गंवा दी है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि अकेले 2022 में दक्षिण पूर्व एशिया में 752,000 से अधिक बच्चे और अफ्रीका में 659,000 बच्चे मर गए।

इन बच्चों को मुख्य रूप से इंफेक्शन से संबंधित बीमारियां लगी थी लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं ने काम करना बंद कर दिया जिसके कारण इतने सारे बच्चों की मौत हो गई। एएमआर बच्चों के लिए एक

गंभीर खतरा है, जो संक्रमणों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। उत्पाद विकास में देरी के कारण बच्चों के लिए नए एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन तक पहुंच अक्सर बहुत सीमित होती है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि इनमें से कई मौतें वॉच एंटीबायोटिक्स (प्रतिरोध के उच्च जोखिम वाली दवाएं) और रिजर्व एंटीबायोटिक्स (गंभीर, बहु-दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के लिए अंतिम उपाय) के उपयोग से जुड़ी थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले केवल तीन वर्षों में बच्चों में एंटीमायक्रोबियल रेजिस्टेंस से जुड़े संक्रमणों में दस गुना से अधिक वृद्धि हुई है, कोविड महामारी के प्रभाव ने इस स्थिति को और भी बदतर बना दिया हो सकता है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का मतलब होता है- जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस या परजीवी जैसे सूक्ष्म जीव दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। यानी, दवाएं उन्हें मारने में असफल हो जाती हैं। यह स्थिति बच्चों के लिए खासतौर पर खतरनाक हो सकती है। **:: एजेंसी**

विजय सेतुपति के को-स्टार और मशहूर फिल्ममेकर का निधन, 57 की उम्र में ली अंतिम सांस

बी-टाउन से एक दुखद खबर सामने आई है। खबर है कि मशहूर फिल्ममेकर एसएस स्टेनली का निधन हो गया है। उन्होंने 57 की उम्र में अंतिम सांस ली। चेन्नई के प्राइवेट हॉस्पिटल में उनका लंबे समय से इलाज चल रहा था, जिसके बाद अब उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से फैंस और इंडस्ट्री के फ्रेंड्स परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। एसएस स्टेनली के जाने से इंडस्ट्री में मातम छा गया है। एसएस स्टेनली इंडस्ट्री को कई बड़ी फिल्में दे चुके हैं। वो अप्रैल मधाथिल, पुधुकोट्टैयिलिरुंधु सरवनन, मरकरी पुक्कल, किजहक्कु कदलकरई सलाई जैसी कई मूवीज डायरेक्ट कर चुके हैं। वहीं इसके बाद उन्होंन एक्टिंग की दुनिया में भी कदम रखा। साल 2007 में ज्ञान राजशेखरन की फिल्म पेरियार में अपने किरदार की वजह से खूब तारीफें मिली थीं। **:: एजेंसी**

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

मोदी ने डेनमार्क

भारतीय समुदाय द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, देश में लगभग 21,000 एनआरआई और पीआईओ रहते हैं। इस समुदाय में आईटी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, वित्त और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर शामिल हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने

उन्होंने कहा कि निदेशालय को इस सौदे में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है और यह केवल उन्हें परेशान करने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और जो भी जानकारी थी वह निदेशालय के अधिकारियों के साथ साझा की गयी है। उन्होंने अधिकारियों को हजारों की संख्या में दस्तावेज भी दिये हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला लंबे समय से लटकाया जा रहा है, इसमें कुछ गड़बड़ी नहीं मिली है और इसे बेवजह लंबा खिंचा जा रहा है। वाड्रा ने कहा कि वह जब भी लोगों के हित की बात करते हैं उन्हें डराने या लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के कदम उठाये जाते हैं। उद्योगपति वाड्रा को इससे पहले इस मामले में 8 अप्रैल को समन भेजा गया था लेकिन उनके निदेशालय के समक्ष पेश नहीं होने पर यह नोटिस दोबारा भेजा गया था। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जिनके कार्यकाल में यह सौदा हुआ था उन्होंने भी कई बार कहा है कि इस सौदे में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

विधायक डॉ. रजेश्वर

विधायक-आपके द्वार' शिविरों का आयोजन। सरोजनीनगर- स्मार्ट सिटी सपने की जीवंत प्रयोगशाला,डॉ. राजेश्वर सिंह का स्मार्ट सिटी विजन केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि सरोजिनी नगर में वास्तविक रूप से लागू हो रहा है। यह सोच तकनीक, पारदर्शिता और सहभागिता को केंद्र में रखकर, हर नागरिक के लिए कार्यशील शहरी ढांचा तैयार कर रही है। यह रोडमैप उत्तर प्रदेश ही नहीं, भारत भर के शहरों के लिए एक प्रेरणादायक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। एक ऐसा खाका जो स्मार्ट, टिकाऊ और नागरिक-केंद्रित विकास की राह दिखाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों के मेडिकल बोर्ड के कामकाज पर असंतोष जताते हुए कहा, ष्जिस तरह से दोनों राज्यों ने काम किया, उसे देखते हुए हम निर्देश देते हैं कि एम्स एक मेडिकल बोर्ड गठित करे। यह बोर्ड तुरंत अस्पताल का दौरा कर विकास यादव की मां की स्वास्थ्य स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करे। गौरतलब है कि फरवरी 2002 को नीतीश कटारा की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2016 में विकास यादव और विशाल यादव को 25-25 साल की कैद की सजा सुनाई थी।

वक्फ की जमीनों

हरदोई की सीमा पर पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क बनने जा रहा है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा और यहां के हुनर को पहचान मिलेगी। अब लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि दूसरे राज्यों से लोग हरदोई आएंगे। डबल इंजन की सरकार विरासत का सम्मान करती है और विकास को गति देती है। प्रयागराज महाकुंभ इसका उदाहरण है, जहां 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। यह ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ की भावना को दर्शाता है। भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, और अगले दो वर्षों में हम तीसरे स्थान पर होंगे।

मंगेतर के सामने

पर ले गए और आठों आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया। यह सिलसिला लगभग 2 घंटे तक चला। जब सबका मन भर गया तो दोनों को छोड़कर चले गए। दोनों जैसे तैसे घर आ गए लेकिन बेइज्जती की वजह से घटना को छुपाने की कोशिश करने लगे। लेकिन युवती की तबियत खराब हो गई। डरी सहमी युवती ने खुद पर बीती घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन युवती को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे। जहां 112 पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी। इस घटना के बाद पुलिस ने परिजनों की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए। एसपी अंकिता शर्मा ने पीड़िता के परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान कराई। जिससे कोई भी उन्हें भयभीत न कर सके। इसके अलावा पीड़िता के घर पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं।

26/11 हमले के

भारत-चीन संघर्ष को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने भारत की प्रतिक्रिया को लेकर कहा,÷प्रधानमंत्री बिल्कुल स्पष्ट थे और उनके दिमाग में कोई दूसरा विचार नहीं था। सबसे पहली बैठक में यह घोषणा की गई कि हम जवाब देंगे। इसलिए फैसला लिया गया क्योंकि इसमें काफी भरोसा था। और सिस्टम भी समझ गया कि अब फैसला ले लिया गया है, इसलिए रास्ता तलाशो। और सिस्टम ने रास्ता खोजा।÷

उच्चतम न्यायालय ने

11 मई, 2022 को याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया कि छत्तीसगढ़ में रिश्वत, अवैध दलाली के बेहिसाब पैसे का खेल चल रहा है।दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में दायर याचिका के आधार पर ईडी ने 18 नवंबर, 2022 को पीएमएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। आयकर विभाग से मिले दस्तावेज के आधार पर ईडी ने जांच के बाद 2161 करोड़ के घोटाले की बात का कोर्ट में पेश चार्जशीट में जिक्र किया था। ईडी ने चार्जशीट में कहा था कि साल 2017 में आबकारी नीति में संशोधन कर सीएसएमसीएल के जरिये शराब बेचने का प्रावधान किया गया, लेकिन 2019 के बाद शराब घोटाले के किंगपिन अनवर ढेबर ने अरुणपति त्रिपाठी को सीएसएमसीएल का एमडी नियुक्त कराया, उसके बाद अधिकारी, कारोबारी, राजनैतिक रसूख वाले लोगों के सिंडिकेट के जरिये भ्रष्टाचार किया गया। गत 21 अप्रैल, 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टुटेजा को गिरफ्तार किया था। लंबे वक्त से जेल में रहने के आधार पर टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है।

वक्फ कानून में

हो रहे हैं, जिनमें से कुछ हिंसक भी हो गए हैं। इन प्रदर्शनों के बीच रीजीजू, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने संयुक्त रूप से सरकार की स्थिति साफ की। उल्लेखनीय है कि संसद से पारित यह संशोधित वक्फविधेयक 5 अप्रैल को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया है। जहां सत्तारूढ़ एनडीए सरकार इस कानून को अल्पसंख्यकों के हित में बता रही है, वहीं विपक्ष इसे मुस्लिम विरोधी बताकर आलोचना कर रहा है।

एसबीआई लाइफ ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ प्रोटेक्शन फर्स्ट जन जागरूकता अभियान शुरू किया

लखनऊ, चसं। भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफइंश्योरेंस नागरिकों में 'सुरक्षा पहले' की सोच को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि लोग बिना डर के अपना उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकें। अपने अभियान श्लाइफ सुरक्षा पक्की, तो कॉन्फिडेंस पक्का श् के तहत एसबीआई लाइफ ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर 1090 चौराहे पर एक बहुत बड़ा हेलमेट इंस्टॉलेशन लगाया। यह बड़ा और ध्यान खींचने वाला हेलमेट लोगों को रोड पर जिम्मेदारी भरा व्यवहार करने के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के मुताबिक, 2024 में राज्य में 46,000 से ज्यादा सड़क हादसे हुए जिनमें 24,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इनमें लखनऊ में ही 576 मौतें हुई। इन चिंताजनक आंकड़ों को देखते हुए एसबीआई लाइफ ने सभी प्रमुख ट्रैफिक चौराहों पर हेलमेट भी बांटे। इन हेलमेटों को दोपहिया वाहन चलाने वालों और पीछे बैठने वालों दोनों को दिया गया। यह अभियान इस बात पर जोर देता है कि हेलमेट पहनना सिर्फ नियम के डर से नहीं, बल्कि खुद की और अपनों की जिम्मेदारी उठाने वाला कदम है। इस पहल की शुरुआत एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री अमित झींगरन, लखनऊ पुलिस के डीसीपी (क्राइम) और डीसीपी (महिला सुरक्षा) कमलेश दीक्षित, डीसीपी (ट्रैफिक) प्रबल प्रताप सिंह, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह (आईएएस), और एसबीआई लाइफके चीफ ऑफब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर रवींद्र शर्मा की मौजूदगी में हुई।

हेलमेट बांटने के इस अभियान के जरिए लोगों से सीधे जुड़कर यह समझाया गया कि सुरक्षा उपकरण सिर्फएक औपचारिकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया गया एक जरूरी कदम है जो लोगों को एक सुरक्षित और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने में मदद करता है। लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी उन दोपहिया चालकों से बातचीत करते दिखे जो बिना हेलमेट के यात्रा कर रहे थे। उन्हें बताया और समझाया गया कि असली आजादी और आत्मविश्वास की शुरुआत सुरक्षा से होती है। इस अभियान के बारे में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री अमित झींगरन ने कहा, एसबीआई लाइफमें हमारा मानना है कि एक आत्मविश्वासी और आगे बढ़ने वाला समाज तभी बन सकता है जब उसके नागरिकों को सुरक्षा का अहसास हो। असली आजादी तब मिलती है जब लोग शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं। हम सार्वजनिक जगहों और क्रिकेट जैसे सांस्कृतिक माध्यमों के जरिए लोगों को सुरक्षा का महत्व समझाने की कोशिश कर रहे हैं। ये जीने से डरने की बात नहीं, बल्कि सुरक्षा के साथ साहस से जीने की बात है। जब लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने की कोशिश करते हैं। हमारी ब्रांड फिलोसोफी 'अपने लिए, अपनों के लिए' भी इसी सोच पर आधारित है कि सुरक्षा सिर्फअपने लिए नहीं, अपनों के लिए भी जरूरी है।उन्होंने आगे कहा, जब इंसान सड़क पर, क्रिकेट के मैदान में या जिंदगी में सुरक्षित महसूस करता है, तो वो पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करता है। एक बीमा कंपनी के रूप में हमारा काम सिर्फवित्तीय उत्पाद देना नहीं है, बल्कि लोगों में सुरक्षा को लेकर सोच बनाना भी है। हम चाहते हैं कि हर इंसान सुरक्षा के साथ सपने देखे, उन्हें पूरा करे और खुलकर जिंदगी जिए। डीसीपी (ट्रैफिक) प्रबल प्रताप सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। एसबीआई लाइफजैसी कंपनियों के साथ मिलकर इस तरह की साझेदारियां लोगों में असली बदलाव लाती हैं। हेलमेट बांटना और इस तरह के क्रिएटिव इंस्टॉलेशन लोगों का ध्यान खींचते हैं और उन्हें सोचने पर मजबूर करते हैं। हेलमेट पहनना एक छोटा कदम लग सकता है, लेकिन यह जिंदगी बचा सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि लोग इसे अपनी आदत बनाएंगे, न कि मजबूरी। सड़क पर आत्मविश्वास की शुरुआत हेलमेट से होती है, जैसे जिंदगी में आत्मविश्वास की शुरुआत सुरक्षा से होती है। एसबीआई लाइफ ने अपने लाइफ सुरक्षा पक्की, तो कॉन्फिडेंस पक्का अभियान के तहत अपनी सुरक्षा की बात क्रिकेट के मैदान तक भी पहुंचाई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

बाबा साहब के संविधान से चलेगा देश, शरीयत से नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में भीमनगरी समारोह का किया उद्घाटन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 134 वीं जयंती पर आवास विकास कॉलोनी में सजी भीमनगरी में डॉ. आम्बेडकर के अनुयाइयों का उत्साह देखते ही बना चहुंओर बाबा साहेब के नारे गूंज रहे थे। मंच से वक्ता संबिधान शिल्पी द्वारा कही गई बातों को दोहराते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए लोगों को प्रेरणा दे रहे थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भीमनगरी के मंच पर आता देख पूरा कार्यक्रम स्थल नमो बुद्धाय और जय भीम के जयघोष से गूंज उठा। बौद्ध वंदना करते ही मुख्यमंत्री ने नागपुर के दीक्षा भूमि भवन का विधिवत उद्घाटन किया।

स्वागत गीत के माध्यम से कमला अरुण स्कूल के बच्चों ने प्रस्तुति दी। समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के द्वारा दलित समाज के लिए किए कार्यों की जानकारी दी। प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि बाबा साहब के तीन तीन सूत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को अपने जीवन में उतारे। राजनीति से पुराने ताले खुलते है पर शिक्षा से जंग लगे हुए ताले लगे खुलते है। बाबा साहब का कहना था शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा। मंच भीमनगरी में मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ ने संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने संबोधित करते हुए कहा कि 1956 से अपने पूर्वजों के दर्शन को जीवंत आगरा में कर रखा है।

विपरीत परिस्थिति में सामाजिक भेदभाव का सामना करते हुए भी जीरो से शिखर की प्रेरणा दी। संघर्ष से पला आदमी ही सिद्धि प्राप्त करता है। बाबा साहब ने दलितों और वंचितों को प्रेरणा दी। यह भारत देश संविधान शिल्पी के रूप स्मृति करता है। भारत के संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने के नाते मुझे यहां आने का सौभाग्य मिला है। भारत रत्न 18 मार्च 1956 में आगरा आए तो यहां के लोगों को संघर्ष का रास्ता सौंपा। बाबा साहब के संदेश में कहा कि संगठित रहो, संघर्ष करो और अपने हक के लिए लड़ो पर अंधभक्त बनकर नहीं। जो आदमी संविधान का अपमान करता है वो

- **बाबा साहब ने प्रत्येक भारतीय को मताधिकार का अधिकार दिलाया और इसी कारण भारत विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र**

बाबा साहब की अवमानना कर रहा है। बाबा साहब ने प्रत्येक भारतीय को मताधिकार का अधिकार दिलाया और इसी कारण भारत विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र स्थापित कर पाया। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाने का आवाहन किया। अंत में योगी ने कहा कि ये भारत बाबा साहब के संविधान से चलेगा। ये सुनते ही आंबेडकर अनुयाइयों जय भीम के जय घोष करने लगे। संरक्षक करतार सिंह भारतीय ने कहा कि मेट्रो स्टेशन का नाम बाबा साहब के नाम पर किया उसके लिए आभार व्यक्त करते है और आगरा में बड़े स्तर के आंबेडकर भवन का निर्माण कराए ताकि समाज के सांस्कृतिक कार्यक्रम निरंतर होते रहे। संचालन ऋषि कुमार ने किया। आज भीमनगरी में दहेज रहित 51 जोड़ों के विवाह समारोह किये जायेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय समिति के संरक्षक करतार सिंह भारतीय, डॉ. जीएस धर्मेश, अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी, महासचिव श्याम जरारी, संरक्षक डॉ. रामजीलाल, अध्यक्ष विजय सिंह कर्दम, महासचिव ई. महेश चंद्र, कोषाध्यक्ष आर एन सिंह, उपाध्यक्ष हाकिम सिंह, जेपी सिंह, ई. गंगा सिंह, रमेश चंद्र, अजेंद्र सिंह सूर्या, शीतल प्रसाद गौतम, प्रकाश चंद्र, गजेंद्र पीपल, अमर सिंह, मलखान सिंह, प्रताप सिंह राना, राजेंद्र टाइटलर, ध्रुव कुमार आदि मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, समाज कल्याण विभाग मंत्री असीम अरुण, पर्यटन मंत्री जयबीर सिंह, कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य, होमगार्ड मंत्री धर्मवीर प्रजापति, सांसद राजकुमार चाहर, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, महापौर हेमलता दिवाकर, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू भदौरिया, विधायक पुरूषोतम खंडेलवाल, धर्मपाल सिंह, पुरन प्रकाश, एमएलसी विजय शिवहरे, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया आदि। आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर-11 के मैदान में आयोजित भीमनगरी में लाखों की संख्या में लोग पहुंचे। संरक्षक डॉ. रामजीलाल ने बताया कि आगरा ही नहीं फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, हाथरस, अलीगढ़ सहित विभिन्न शहरों से अनुयायी पहुंचे हैं। कॉलोनी में निवास कर रहे सर्वधर्म व जाति के लोग नागपुर की दीक्षा भूमि भवन और साँची के स्तूप को देखने पहुंचे। किसी भी तरह की अव्यवस्था नहीं होने दी जा रही थी। काफी तादात में आए लोगों ने भीमनगरी की सजावट देखी और कार्यक्रमों का आनंद लिया। मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को देखते हुए भीमनगरी में सुरक्षा व्यवस्था की समुचित व्यवस्था थी। भीमनगरी स्थल पर बड़ी संख्या में समता सैनिक दल और भीम आर्मी के युवा भी व्यवस्था में तैनात रहे। चप्पे-चप्पे पर बहुतायत संख्या में पुलिस बल तैनात था। 112 की गाड़ी लगातार चक्कर लगा रही थी। फायर बिग्रेड मौके पर मौजूद रही। मंच से बाबा साहेब के जीवन के संघर्ष और उनकी शिक्षा के प्रति निष्ठा को दिखाया। डॉ. आम्बेडकर द्वारा दलितों के उत्थान के लिए किए गए संघर्ष की पूरी कहानी चित्रों के माध्यम से दर्शायी गई। वक्ताओं ने कहा की अभावो के बाबजूद डॉ. भीमराव आंबेडकर ने विश्व में अपनी पहचान बनायीं।

आयोजन शामिल होने वाले लोग दीक्षा भूमि के स्वरूप और योगी को एकटक देख रहे थे। भीमनगरी में इस बार तमाम प्रकार झूलों, खेल, तमाशे सहित जनता के लिए अन्य मनोरंजक साधनों का के इंतजाम थे। महिलाओं के साथ बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। खाने-पीने स्टॉलों पर भी काफी भीड़ नजर आई।

देश-विदेश डायरी

हसीना और बेटे पर कोर्ट का प्रहार, बांग्लादेश लौटे बिना ही गिरफ्तारी की तलवार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को राजधानी के बाहरी इलाके में आवासीय भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से संबंधित दो मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद और 16 अन्य के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, ''ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश की अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के आरोपपत्रों को ध्यान में रखते हुए पूर्वाचल न्यू टाउन में भूखंड आवंटन में अनियमितताओं के दो मामलों में वारंट जारी किए हैं। अभियोजन पक्ष के वकील के अनुसार, अधिकतर आरोपी सरकारी अधिकारी थे। अदालत ने पुलिस को आदेश दिया कि यदि स्व-निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तो 29 अप्रैल को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अधिकारी ने बताया कि न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने ढाका और देश के अन्य भागों में एक दर्जन से अधिक थानों के प्रभारी अधिकारियों को संबंधित तिथि तक अपने आदेश के क्रियान्वयन पर प्रगति

इसी अदालत ने इससे पहले हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल, उनकी बहन शेख रेहाना, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक, रेहाना के बेटे रादवान मुजीब सिद्दीक और 48 अन्य के खिलाफ राजनीतिक सत्ता का दुरुपयोग कर कथित अवैध भूमि आवंटन के सिलसिले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विद्रोह में हसीना की 16 साल पुरानी अवामी लीग सरकार अपदस्थ हो गई थी। तब से 77 वर्षीय हसीना भारत में रह रही हैं।

बलूचिस्तान में फिर पुलिस वाहन पर आंतकी हमला, 3 कर्मियों की मौत और 18 घायल

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक संवर्धित विस्फोटक उपकरण (एलईडी) की चपेट में पुलिस वाहन के आने से हुए विस्फोट में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि मस्तुंग जिले में ड्यूटी से वापस आ रहे बलूचिस्तान कॉन्स्टैबुलरी के एक वाहन को निशाना बनाकर यह विस्फोट किया गया। उन्होंने बताया कि तीन पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को क्वेटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बलूचिस्तान कॉन्स्टैबुलरी प्रांतीय पुलिस सेवा का हिस्सा है। रिंद ने बताया कि बलूचिस्तान कॉन्स्टैबुलरी के ये जवान, बलूच यकजेहती समिति के नेताओं और बीएनपी-एम कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में बलूचिस्तान नेशनल पार्टी मेंगल (बीएनपी-एम) द्वारा आयोजित धरने के लिए तैनात किए गए थे। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान प्रांत में हाल के महीनों में उग्रवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है।

पाकिस्तान में पोलियो का टीका लगाने वाले 2 कर्मियों का अपहरण

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने सोमवार को पोलियो का टीका लगाने वाले दो कर्मियों का बंदूक दिखा कर अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोलियो का टीका लगाने वाले कर्मी मुहम्मद आसिफ और रजा मुहम्मद को हथियारबंद लोगों ने कुलाची से डेरा इस्माइल खान जा रही एक यात्री बस से उतार दिया और अज्ञात स्थान पर ले गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के एकमात्र ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी महामारी बना हुआ है। किसी भी समूह ने अभी तक अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पाकिस्तान : ट्रक और वैन की आमने-सामने टक्कर में 10 लोगों की मौत, मची चीख पुकार

पेशावर, एजेंसी। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में मंगलवार को एक ट्रक और यात्री वैन के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में कम से कम दस लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। '1122 रेस्क्यू सेवा के प्रवक्ता ने यहां बताया कि यह दुर्घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में मुख्य सिंधु राजमार्ग पर लक्की घुंडा खेल के पास हुई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पांच एंबुलेंस और एक सहायता वाहन को घटनास्थल पर भेजा गया। बचाव दल ने सभी लोगों को बस से बाहर निकाल लिया। प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मत्स्य पालन की योजनाओं का किया जाय व्यापक प्रचार प्रसार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मत्स्य विकास मंत्री डा संजय कुमार निषाद ने कहा है कि प्रदेश में मछुआ समुदाय, मत्स्य पालन एवं मत्स्य व्यवसाय हेतु संचालित विभिन्न योजनओं का व्यापक रूप के प्रचार-प्रसार किया जाये ताकि ग्रामीण एवं शहरी वर्गों के लोग मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो और अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो। जनपदों से लाभार्थी चयन की प्रक्रिया,कार्यों में अनियमिता एवं भुगतान के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने पर तत्काल समाधान किया जाए। राज्य सरकार मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि करते हुए आजीविका हेतु मत्स्य व्यवसाय पर निर्भर गरीब मछुआ परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय जलाशयों के आवंटन की प्रक्रिया 30 जून तक पूरा कराने के भी निर्देश दिये।मत्स्य विकास मंत्री ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए और मछुआ समुदाय की आय को बढ़ाने के लिए वृहद कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध रूप से कार्य किया जाए। कार्य के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों की जबाबदेही तय की जाये और जिम्मेदारियों और लक्ष्यों को समय पर पूरा न करने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। अधिकारी जनपदों में प्रत्येक स्तर पर योजनाओं का अनुश्रवण कर सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट योजना,मत्स्य पालक कल्याण कोष एवं अन्य सभी योजनाओं का लाभ निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से पात्रों को मिलता रहे।

उत्तर प्रदेश को मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है ताकि अन्य राज्यों पर मत्स्य बीज, मत्स्य आहार आदि के लिए निर्भर न रहना पड़े। डॉ निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री के उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में मत्स्य विभाग की अहम एवं सार्थक भूमिका है। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग में संसाधनों को बढ़ाते हुए तकनीकि और आधुनिकता का समावेश किया जाये ताकि मत्स्य विभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर आ सके। मत्स्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सघन मत्स्य पालन के लिए नयी तकनीकों जैसे रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, एकीकृत मत्स्य पालन, बायोफ्लॉक आदि को अपनाने हेतु मत्स्य उद्यमियों को प्रेरित किया जाए।

सपा नेताओं के विवादित बयानों पर भड़के जयवीर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के बाद अब सपा विधायक इंद्रजीत सरोज ने भी हिन्दू देवी देवताओं को लेकर विवादित टिप्पणी की, उससे भारतीय जनता पार्टी तिलमिला गई है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सपा नेताओं के बयानों पर पलटवार करते हुए इसे सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये उठाया गया कदम बताया।

उन्होंने कहा कि सपा मुस्लिम वोटों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है।जयवीर सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता जानबूझकर भड़काऊ, विभाजनकारी बयान दे रहे हैं ताकि मुस्लिम मतदाताओं को लुभाया जा सके।मुस्लिम मतदाता समाजवादी पार्टी से दूर हो रहा है,उसकी पसंद कांग्रेस बन रही है। सपा नेताओं को डर है, अल्पसंख्यक वोट बैंक हाथ से न निकल जाए। डर के चलते वे बार-बार ऐसे बयान दे रहे हैं ताकि मुस्लिम मतदाता उनके पक्ष में हो जाएं। हरियाणा और दिल्ली विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि इन चुनावों में मुस्लिम वोटर कांग्रेस की ओर गया है उत्तर प्रदेश में भी जब कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है तो सपा को अपने पारंपरिक वोट बैंक के खिसकने का डर सताने लगा है,इसलिए मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए जानबूझकर बाबर, मंदिर-मस्जिद और ऐतिहासिक विवादों को उछालने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश की जनता तुष्टिकरण की राजनीति करने

- **मुसलमान वोटों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति कर रही सपा : मन्त्री**

वालों को पहचान चुकी है। समाजवादी पार्टी का इतिहास रहा है कि वह हमेशा समुदाय विशेष को भड़काकर राजनीति करती आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन सपा जैसे दल जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश में लगे हैं।इससे पहले सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने हाल ही में आगरा में करणी सेना को लेकर बयान देते हुए कहा था कि अगर तुम कहोगे कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर है, तो हम कहेंगे कि हर मंदिर के नीचे बौद्ध मठ है। उन्होंने कहा था कि श्मुसलमानों में बाबर का डीएनए बताने वालों को ये भी बताना चाहिए कि फिर हिंदुओं में किसका डीएनए है। इन बयानों को लेकर भाजपा ने सपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अयोध्या के महत्वपूर्ण स्थलों के सौन्दर्यीकरण के लिए 92.46 करोड़ की 16 परियोजनायें स्वीकृत : पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अयोध्या में पर्यटन विकास एवं अवस्थापना सुविधाओं के उच्चीकरण के लिए 92.46 करोड़ रूपये की 16 परियोजनायें स्वीकृत की है। परियोजनायें तीर्थ विकास परिषद अयोध्या के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गयी हैं। इन परियोजनाओं को पूरा करने का दायित्व कार्यदायी संस्था प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि को दिया गया है। निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पालन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थ विकास परिषद अयोध्या के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के प्रस्ताव पर विकासखंड तारून में स्थित कम्हरिया बाबा मंदिर का पर्यटन विकास, अयोध्या में राम की पैड़ी पर दर्शक दीर्घा एवं पर्यटन सुविधाओं का कार्य, अयोध्या में पावन नगरी से जुड़े मखोड़ा भरतकुण्ड श्रावण क्षेत्र श्रृंगी ऋषि का आश्रम और दशरथ समाधि स्थल का सौन्दर्यीकरण कार्य तथा ठाकुर राम जानकी नई पंचायती मंदिर का पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा। विधानसभा मिल्कीपुर स्थित विकासखण्ड अमानीगंज के रामपट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम का पर्यटन विकास, सुच्चितागंज सोहावल का पर्यटन विकास, तुलसीदास का छावनी मंदिर का पर्यटन विकास, सरयू नदी के राजघाट के निकट एम्फीथिएटर एवं फूड कोर्ट का निर्माण, अयोध्या के साकेत सदन में पंचकोसी, चौदहकोसी एवं चौरासी कोसी परिक्रमा संग्रहालय एवं इण्टरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण तथा ब्लाक मसूदा के ग्राम अबानपुर सरोहा में ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत पर्यटन सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जायेगा।

आउटसोर्स परिचालकों का होगा म्यूचुअल ट्रांसफर

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने परिवहन निगम में काम करने वाले आउटसोर्स परिचालकों को बड़ी राहत दी है। अब ऐसे परिचालकों को म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा मिलेगी। राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि अभी तक आउटसोर्स परिचालकों को सेवा देने वाले कंपनी के माध्यम से तय शर्तों और मापदंडों के अनुसार डिपो स्तर पर नियुक्त किया जाता था और उन्हें वहीं काम करना होता था। लेकिन अब जिन परिचालकों ने कम से कम छह महीने की सेवा पूरी कर ली है और 30,000 किलोमीटर का संचालन कर लिया है, वे म्यूचुअल ट्रांसफर के पात्र होंगे। इस नई व्यवस्था से दूर के क्षेत्रों में काम करने वाले परिचालकों को अपने गृह जनपद या आस पास के क्षेत्रों में सेवा करने का अवसर मिलेगा। इससे परिचालकों की अनुपस्थिति और अवकाश पर जाने की समस्या में कमी आएगी, जिससे बस संचालन नियमित होगा। दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिचालकों की सुगम उपलब्धता से परिवहन निगम को बसों के नियमित संचालन में मदद मिलेगी।

नगर निगम का बजट सदन में सर्वसम्मति से पारित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की सदन की बैठक में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगम का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। नगर निगम की कार्यकारिणी समिति द्वारा पूर्व में अनुमोदित इस बजट को लेकर सदन में गहन चर्चा हुई, जिसमें पार्षदों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। बजट में शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए कई अहम फैसले लिए गए हैं, जिससे लखनऊ की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने की उम्मीद है। इस वर्ष के बजट की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने स्वयं की निधियों में कटौती कर दी है। वहीं, विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से पार्षदों की निधि को 150 लाख रुपये से बढ़ाकर 210 लाख रुपये प्रति वार्ड कर दिया गया है। इससे प्रत्येक वार्ड में सड़कों, नालियों, स्कूलों और अन्य

बुनियादी सुविधाओं के कार्यों को बल मिलेगा। नगर निगम ने इस बजट में गरीबों के लिए निःशुल्क अंतिम संस्कार योजना, शमशान घाटों के जीर्णोद्धार, पार्कों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण तथा सरकारी स्कूलों की अवस्थापना सुधार पर जोर दिया है।

इसके तहत शमशान घाटों के लिए बजट को 10 लाख से बढ़ाकर 100 लाख रुपये और पार्कों के लिए 200 लाख से बढ़ाकर 600 लाख रुपये कर दिया गया है। स्कूलों के लिए भी पहले की तुलना में पांच गुना अधिक राशि (500 लाख रुपये) का प्रावधान किया गया है।नगर निगम ने ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ई-ऑफिस और कंप्यूटरीकरण के मद में पहले से निर्धारित राशि को बढ़ाकर 400 लाख रुपये कर दिया है। इससे नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और गति दोनों आएंगी। सदन की बैठक में महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, पार्षदगण, समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य वित्त अधिकारी, सीटीएओ, जोनल अधिकारी, जीएम जलकल, मुख्य अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पार्षदों की विकास निधि को अलग-अलग मदों में बांटा गया है। जिसमें प्रति वार्ड मार्गों के मरम्मत एवं नवीनीकरण हेतु 150 लाख रुपये, प्रति वार्ड पैच हेतु 10 लाख रुपये, प्रति वार्ड क्रॉसिंग एवं पुलिया मरम्मत के लिए 10 लख रुपये, चूना, फॉगिंग, कीटनाशक दवाओं हेतु प्रति वार्ड 05 लाख रुपये, प्रति वार्ड हत्थू ठेला क्रय,मरम्मत हेतु 05 लाख रुपये, इलेक्ट्रॉनिक रेफ्रिजरेटर (कॉफिन) ई-रिक्शा 10 लाख प्रति वार्ड, मार्ग प्रकाश व्यवस्था हेतु प्रति वार्ड 10 लाख रुपये, पार्कों के अनुरक्षणध्मरम्मत हेतु 10 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं। सदन में मंगलवार को सर्व

- **स्कूलों के लिए भी पहले की तुलना में पांच गुना अधिक राशि**

सम्मति ये यह भी पारित हुआ है कि माननीय पार्षदगण अपनी निधि को किसी भी विकास कार्य में खर्च कर सकेंगे।इस बार नगर निगम का कुल बजट गत वर्ष की अवशेष धनराशि को जोड़ते हुए कुल 4,30,453.60 लाख रुपये रखा गया है। कुल व्यय 3,30,786.05 लाख रुपये प्रस्तावित किया गया है। इससे नगर निगम के पास परियोजनाओं के लिए समुचित वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे।बजट में सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्कूलों के जीर्णोद्धार, पार्कों की देखरेख और डिजिटलीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा यूजर चार्ज में बदलाव करते हुए इसे गृहकर से लिंक किया गया है, जिससे वसूली पारदर्शी और आसान होगी। इससे नगर निगम की आय में भी वृद्धि होगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी।